

SAMPLE



Lal-Kitab Sagar

MindSutra Software Technologies

A-16, Ramdutt Enclave, Milap Nagar,  
Uttam Nagar, New Delhi-110059

## ज्योतिषीय विवरण

### मुख्य विवरण

|                     |                       |
|---------------------|-----------------------|
| जन्म वार            | १८:१२:१९७३ (मंगलवार)  |
| जन्म वेळ            | 01:45:00              |
| जन्म स्थळ           | new delhi             |
| अक्षांश             | 028:36:00N            |
| रेखांश:             | 077:12:00E            |
| वेळ संस्कार         | -00:00                |
| जी.एम.टी. वेळ       | 020:15:00             |
| स्थानिक वेळ         | 001:23:48 hrs         |
| सांपातिक काल        | 007:09:02 hrs         |
| स्थानिक वेळ संस्कार | -000:21:11            |
| अयनांश              | N.C.Lahiri(023:29:36) |
| सूर्योदय            | 07:11:19AM            |
| सूर्यास्त           | 05:24:35PM            |
| विक्रम संवत-        | 2030                  |
| शक संवत-            | 1895                  |
| संवत्सर             | प्रमादी               |
| संवत्सर स्वामी      | इंद्राग्नि            |

### घात चक्र

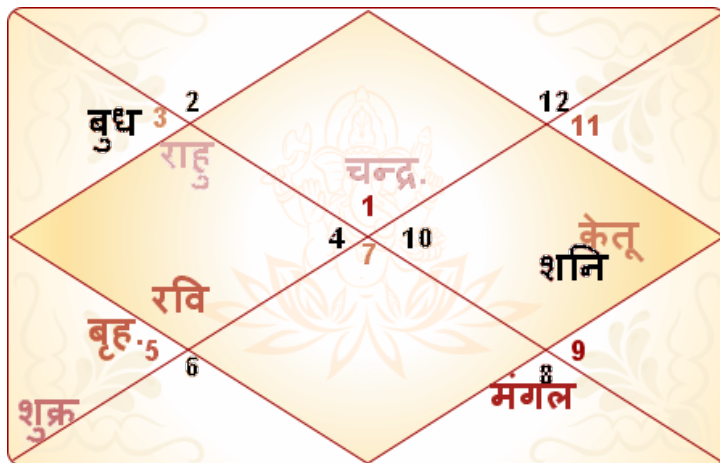
|                    |           |
|--------------------|-----------|
| राशी               | मिथुन     |
| मास                | भाद्र     |
| तिथी               | 5, 10, 15 |
| वार                | शनिवार    |
| नक्षत्र            | श्रावण    |
| प्रहर              | 1         |
| लब्ध               | मीन       |
| सूर्य सिद्धांत योग | सुकर्मा   |
| करण                | कौलव      |

### अवकहडा चक्र

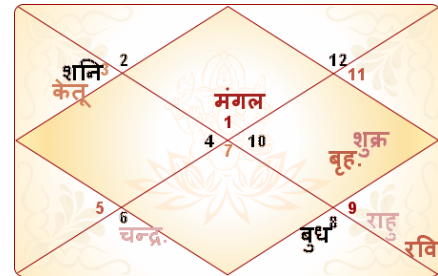
|                    |               |
|--------------------|---------------|
| लब्ध               | कन्या         |
| लब्धस्वामी         | बुध           |
| चंद्रराशी          | कन्या         |
| राशीस्वामी         | बुध           |
| नक्षत्र            | हस्त          |
| नक्षत्रस्वामी      | चंद्र         |
| नक्षत्र चरण        | 2             |
| ऋतु                | हेमंत         |
| मास                | पौष           |
| पक्ष               | कृष्ण         |
| तिथी               | नवमी          |
| तिथी प्रकार        | रिक्ता        |
| तिथी स्वामी        | रवि           |
| करण                | गरज           |
| करण प्रकार         | चर            |
| करण स्वामी         | वासुदेव       |
| गण                 | देव           |
| योनि               | म्हैस(स्त्री) |
| वर्ण               | वैश्य         |
| सूर्य सिद्धांत योग | सौभाग्य       |
| रज्जु              | कंट           |
| वश्य               | द्धिपाद       |
| तत्त्व             | अग्नी         |
| तत्त्वस्वामी       | वायस          |
| विहग               | मंगळ          |
| नाडी               | आद्य          |
| नाडी पाद           | मध्य          |
| वेध                | शततारका       |
| नामाक्षर           | Shaa          |
| पाया               | सुवर्ण        |

## ग्रह स्थिति – लाल किताब

### लम्ब कुंडली



### चंद्र कुंडली ( लाल किताब )



### संशोधित कुंडली



### लाल किताबनुसार ग्रह स्थिति

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा0 का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्म | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|------|-----------|------------|
| रवि   | 4      | 5      | ग्रह  |          |             | चंद्र     |      |      |           | शुभ भावात  |
| चंद्र | 1      | 4      | ग्रह  |          |             | रवि       | हां  |      | हां       | शुभ भावात  |
| मंगल  | 8      | 1, 8   | ग्रह  | हां      |             |           |      |      |           | अशुभ भावात |
| बुध   | 3      | 3, 6   | ग्रह  |          | हां         |           |      |      | हां       | अशुभ भावात |
| गुरु  | 5      | 9, 12  | ग्रह  | हां      |             |           |      |      |           | शुभ भावात  |
| शुक्र | 5      | 2, 7   | राशी  |          |             |           | हां  |      | हां       | ---        |
| शनि   | 10     | 10, 11 | ग्रह  | हां      | हां         |           |      |      |           | शुभ भावात  |
| राहु  | 4      |        | राशी  |          |             |           |      | हां  |           | शुभ भावात  |
| केतु  | 10     |        | राशी  |          |             |           | हां  |      | हां       | शुभ भावात  |

### लाल किताबनुसार भवांची ( स्थान ) स्थिती

| भावे | भावस्थ ग्रह | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|------|-------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1    | चंद्र       | मंगल   | रवि        |           | रवि         | शनि         | मंगल           |
| 2    |             | शुक्र  | गुरु       |           | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3    | बुध         | बुध    | मंगल       |           | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4    | रवि, राहु   | चंद्र  | चेप        |           | गुरु        | मंगल        | चंद्र          |
| 5    | गुरु, शुक्र | रवि    | गुरु       |           |             |             | रवि            |
| 6    |             | बुध    | बुध, केतु  | हां       | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7    |             | शुक्र  | शुक्र, बुध |           | शनि         |             | शुक्र          |
| 8    | मंगल        | मंगल   | मंगल, शनि  |           |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9    |             | गुरु   | गुरु       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10   | शनि, केतु   | शनि    | शनि        |           | मंगल        | गुरु        | शनि            |
| 11   |             | शनि    | शनि        |           |             |             | गुरु           |
| 12   |             | गुरु   | गुरु       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |



## षोडश वर्ग

|                                                              |                                                            |                                                                 |
|--------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------|
| <p>होरा कुंडली</p> <p>धन संपत्ती करिता</p>                   | <p>द्वेषकान कुंडली</p> <p>सहोदरांचे जीवन आणि स्वास्थ्य</p> | <p>चतुर्थांश कुंडली</p> <p>भाग्य आणि राहते घर</p>               |
| <p>सप्तमांश कुंडली</p> <p>संतति आणि नातवंडे</p>              | <p>नवमांश कुंडली</p> <p>जीवनसाथी आणि त्यांचे स्वास्थ्य</p> | <p>दशमांश कुंडली</p> <p>कार्यक्षेत्र आणि कोणत्याही कामात यश</p> |
| <p>द्वादशांश कुंडली</p> <p>आईवडिलांचे जीवन आणि स्वास्थ्य</p> | <p>षोडशांश कुंडली</p> <p>वाहनविषयक गोष्टी</p>              | <p>विंशांश कुंडली</p> <p>अध्यात्मिक कल</p>                      |
| <p>चतुर्विंशांश कुंडली</p> <p>शिक्षण, ज्ञान, आकलनता</p>      | <p>सप्तविंशांश कुंडली</p> <p>शक्ती आणि दुर्बलता</p>        | <p>त्रिंशांश कुंडली</p> <p>दारिद्र्य, अडथळे आणि दुर्दशा</p>     |
| <p>खवेदांश कुंडली</p> <p>शुभाशुभ घडामोडी</p>                 | <p>अक्षवेदांश कुंडली</p> <p>सर्व बाबींसाठी</p>             | <p>षष्ठांश कुंडली</p> <p>सर्व बाबींसाठी</p>                     |

## विंशोत्तरी दशा

जन्मवेली विंशोत्तरी भोग्य दशा ( एन.सी. लहरी अयनांश :०२३:२९:३६) चंद्र ९.० व.९.० म.२६ दि.

| क.स. | ग्रह दशा | अवधी              | पासून      |
|------|----------|-------------------|------------|
| 1    | चंद्र    | 5.0 y.5.0 m.26 d. | 18:12:1973 |
| 2    | मंगळ     | 7.0 y.0.0 m.0 d.  | 14:06:1979 |
| 3    | राहु     | 18.0 y.0.0 m.0 d. | 14:06:1986 |
| 4    | गुरू     | 16.0 y.0.0 m.0 d. | 13:06:2004 |
| 5    | शनि      | 19.0 y.0.0 m.0 d. | 13:06:2020 |
| 6    | बुध      | 17.0 y.0.0 m.0 d. | 14:06:2039 |
| 7    | केतु     | 7.0 y.0.0 m.0 d.  | 13:06:2056 |
| 8    | शुक्र    | 20.0 y.0.0 m.0 d. | 14:06:2063 |
| 9    | रवि      | 6.0 y.0.0 m.0 d.  | 14:06:2083 |

### चंद्र दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| चंद्र   |            |
| मंगळ    |            |
| राहु    |            |
| गुरू    | 18:12:1973 |
| शनि     | 14:04:1975 |
| बुध     | 13:09:1976 |
| केतु    | 14:04:1977 |
| शुक्र   |            |
| रवि     | 13:12:1978 |

### मंगळ दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| मंगळ    | 14:06:1979 |
| राहु    | 10:11:1979 |
| गुरू    | 28:11:1980 |
| शनि     | 04:11:1981 |
| बुध     | 13:12:1982 |
| केतु    | 10:12:1983 |
| शुक्र   | 08:05:1984 |
| रवि     | 08:07:1985 |
| चंद्र   | 13:11:1985 |

### राहु दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| राहु    | 14:06:1986 |
| गुरू    | 24:02:1989 |
| शनि     | 20:07:1991 |
| बुध     | 26:05:1994 |
| केतु    | 13:12:1996 |
| शुक्र   | 31:12:1997 |
| रवि     | 31:12:2000 |
| चंद्र   | 25:11:2001 |
| मंगळ    | 26:05:2003 |

### गुरू दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| गुरू    | 13:06:2004 |
| शनि     | 01:08:2006 |
| बुध     | 12:02:2009 |
| केतु    | 20:05:2011 |
| शुक्र   | 25:04:2012 |
| रवि     | 25:12:2014 |
| चंद्र   | 13:10:2015 |
| मंगळ    | 12:02:2017 |
| राहु    | 19:01:2018 |

### शनि दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| शनि     | 13:06:2020 |
| बुध     | 17:06:2023 |
| केतु    | 24:02:2026 |
| शुक्र   | 05:04:2027 |
| रवि     | 05:06:2030 |
| चंद्र   | 17:05:2031 |
| मंगळ    | 16:12:2032 |
| राहु    | 25:01:2034 |
| गुरू    | 01:12:2036 |

### बुध दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| बुध     | 14:06:2039 |
| केतु    | 10:11:2041 |
| शुक्र   | 07:11:2042 |
| रवि     | 07:09:2045 |
| चंद्र   | 14:07:2046 |
| मंगळ    | 13:12:2047 |
| राहु    | 10:12:2048 |
| गुरू    | 29:06:2051 |
| शनि     | 04:10:2053 |

### केतु दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| केतु    | 13:06:2056 |
| शुक्र   | 10:11:2056 |
| रवि     | 10:01:2058 |
| चंद्र   | 17:05:2058 |
| मंगळ    | 16:12:2058 |
| राहु    | 14:05:2059 |
| गुरू    | 01:06:2060 |
| शनि     | 08:05:2061 |
| बुध     | 17:06:2062 |

### शुक्र दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| शुक्र   | 14:06:2063 |
| रवि     | 13:10:2066 |
| चंद्र   | 13:10:2067 |
| मंगळ    | 14:06:2069 |
| राहु    | 14:08:2070 |
| गुरू    | 14:08:2073 |
| शनि     | 13:04:2076 |
| बुध     | 14:06:2079 |
| केतु    | 14:04:2082 |

### रवि दशा

| अंतरदशा | पासून      |
|---------|------------|
| रवि     | 14:06:2083 |
| चंद्र   | 01:10:2083 |
| मंगळ    | 01:04:2084 |
| राहु    | 07:08:2084 |
| गुरू    | 02:07:2085 |
| शनि     | 20:04:2086 |
| बुध     | 02:04:2087 |
| केतु    | 06:02:2088 |
| शुक्र   | 13:06:2088 |

## चंद्र ग्रह दशा

( Start Date: 18:12:1973, End Date: 13:06:1979 )

### चंद्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून |
|-----------|-------|
| चंद्र     | ....  |
| मंगळ      | ....  |
| राहु      | ....  |
| गुरू      | ....  |
| शनि       | ....  |
| बुध       | ....  |
| केतु      | ....  |
| शुक्र     | ....  |
| रवि       | ....  |

### मंगळ अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून |
|-----------|-------|
| मंगळ      | ....  |
| राहु      | ....  |
| गुरू      | ....  |
| शनि       | ....  |
| बुध       | ....  |
| केतु      | ....  |
| शुक्र     | ....  |
| रवि       | ....  |
| चंद्र     | ....  |

### राहु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून |
|-----------|-------|
| राहु      | ....  |
| गुरू      | ....  |
| शनि       | ....  |
| बुध       | ....  |
| केतु      | ....  |
| शुक्र     | ....  |
| रवि       | ....  |
| चंद्र     | ....  |
| मंगळ      | ....  |

### गुरू अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून |
|-----------|-------|
| गुरू      | ....  |
| शनि       | ....  |
| बुध       | ....  |
| केतु      | ....  |
| शुक्र     | ....  |
| रवि       | ....  |
| चंद्र     | ....  |
| मंगळ      | ....  |
| राहु      | ....  |

### शनि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | ....       |
| बुध       | 18:12:1973 |
| केतु      | 05:03:1974 |
| शुक्र     | 08:04:1974 |
| रवि       | 13:07:1974 |
| चंद्र     | 11:08:1974 |
| मंगळ      | 28:09:1974 |
| राहु      | 01:11:1974 |
| गुरू      | 27:01:1975 |

### बुध अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 14:04:1975 |
| केतु      | 26:06:1975 |
| शुक्र     | 26:07:1975 |
| रवि       | 20:10:1975 |
| चंद्र     | 15:11:1975 |
| मंगळ      | 28:12:1975 |
| राहु      | 28:01:1976 |
| गुरू      | 14:04:1976 |
| शनि       | 23:06:1976 |

### केतु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 13:09:1976 |
| शुक्र     | 25:09:1976 |
| रवि       | 31:10:1976 |
| चंद्र     | 10:11:1976 |
| मंगळ      | 28:11:1976 |
| राहु      | 11:12:1976 |
| गुरू      | 12:01:1977 |
| शनि       | 09:02:1977 |
| बुध       | 15:03:1977 |

### शुक्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 14:04:1977 |
| रवि       | 24:07:1977 |
| चंद्र     | 24:08:1977 |
| मंगळ      | 13:10:1977 |
| राहु      | 18:11:1977 |
| गुरू      | 17:02:1978 |
| शनि       | 09:05:1978 |
| बुध       | 14:08:1978 |
| केतु      | 08:11:1978 |

### रवि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 13:12:1978 |
| चंद्र     | 22:12:1978 |
| मंगळ      | 07:01:1979 |
| राहु      | 17:01:1979 |
| गुरू      | 14:02:1979 |
| शनि       | 10:03:1979 |
| बुध       | 08:04:1979 |
| केतु      | 04:05:1979 |
| शुक्र     | 14:05:1979 |



**मंगळ ग्रह दशा**

( Start Date: 14:06:1979, End Date: 13:06:1986 )

**मंगळ अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 14:06:1979 |
| राहु      | 22:06:1979 |
| गुरू      | 15:07:1979 |
| शनि       | 04:08:1979 |
| बुध       | 27:08:1979 |
| केतु      | 17:09:1979 |
| शुक्र     | 26:09:1979 |
| रवि       | 21:10:1979 |
| चंद्र     | 28:10:1979 |

**राहु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 10:11:1979 |
| गुरू      | 06:01:1980 |
| शनि       | 26:02:1980 |
| बुध       | 27:04:1980 |
| केतु      | 21:06:1980 |
| शुक्र     | 13:07:1980 |
| रवि       | 15:09:1980 |
| चंद्र     | 04:10:1980 |
| मंगळ      | 05:11:1980 |

**गुरू अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 28:11:1980 |
| शनि       | 12:01:1981 |
| बुध       | 07:03:1981 |
| केतु      | 25:04:1981 |
| शुक्र     | 14:05:1981 |
| रवि       | 10:07:1981 |
| चंद्र     | 27:07:1981 |
| मंगळ      | 25:08:1981 |
| राहु      | 14:09:1981 |

**शनि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 04:11:1981 |
| बुध       | 07:01:1982 |
| केतु      | 05:03:1982 |
| शुक्र     | 29:03:1982 |
| रवि       | 04:06:1982 |
| चंद्र     | 24:06:1982 |
| मंगळ      | 28:07:1982 |
| राहु      | 21:08:1982 |
| गुरू      | 20:10:1982 |

**बुध अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 13:12:1982 |
| केतु      | 02:02:1983 |
| शुक्र     | 24:02:1983 |
| रवि       | 25:04:1983 |
| चंद्र     | 13:05:1983 |
| मंगळ      | 12:06:1983 |
| राहु      | 03:07:1983 |
| गुरू      | 27:08:1983 |
| शनि       | 14:10:1983 |

**केतु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 10:12:1983 |
| शुक्र     | 19:12:1983 |
| रवि       | 13:01:1984 |
| चंद्र     | 20:01:1984 |
| मंगळ      | 02:02:1984 |
| राहु      | 10:02:1984 |
| गुरू      | 04:03:1984 |
| शनि       | 24:03:1984 |
| बुध       | 16:04:1984 |

**शुक्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 08:05:1984 |
| रवि       | 18:07:1984 |
| चंद्र     | 08:08:1984 |
| मंगळ      | 13:09:1984 |
| राहु      | 08:10:1984 |
| गुरू      | 11:12:1984 |
| शनि       | 05:02:1985 |
| बुध       | 14:04:1985 |
| केतु      | 13:06:1985 |

**रवि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 08:07:1985 |
| चंद्र     | 14:07:1985 |
| मंगळ      | 25:07:1985 |
| राहु      | 01:08:1985 |
| गुरू      | 21:08:1985 |
| शनि       | 07:09:1985 |
| बुध       | 27:09:1985 |
| केतु      | 15:10:1985 |
| शुक्र     | 22:10:1985 |

**चंद्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 13:11:1985 |
| मंगळ      | 01:12:1985 |
| राहु      | 13:12:1985 |
| गुरू      | 14:01:1986 |
| शनि       | 11:02:1986 |
| बुध       | 17:03:1986 |
| केतु      | 16:04:1986 |
| शुक्र     | 29:04:1986 |
| रवि       | 03:06:1986 |

## राहु ग्रह दशा

( Start Date: 14:06:1986, End Date: 12:06:2004 )

### राहु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 14:06:1986 |
| गुरू      | 09:11:1986 |
| शनि       | 20:03:1987 |
| बुध       | 23:08:1987 |
| केतु      | 10:01:1988 |
| शुक्र     | 07:03:1988 |
| रवि       | 19:08:1988 |
| चंद्र     | 07:10:1988 |
| मंगळ      | 29:12:1988 |

### गुरू अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 24:02:1989 |
| शनि       | 21:06:1989 |
| बुध       | 07:11:1989 |
| केतु      | 11:03:1990 |
| शुक्र     | 01:05:1990 |
| रवि       | 24:09:1990 |
| चंद्र     | 07:11:1990 |
| मंगळ      | 19:01:1991 |
| राहु      | 11:03:1991 |

### शनि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 20:07:1991 |
| बुध       | 01:01:1992 |
| केतु      | 28:05:1992 |
| शुक्र     | 28:07:1992 |
| रवि       | 17:01:1993 |
| चंद्र     | 10:03:1993 |
| मंगळ      | 05:06:1993 |
| राहु      | 05:08:1993 |
| गुरू      | 08:01:1994 |

### बुध अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 26:05:1994 |
| केतु      | 05:10:1994 |
| शुक्र     | 29:11:1994 |
| रवि       | 03:05:1995 |
| चंद्र     | 18:06:1995 |
| मंगळ      | 04:09:1995 |
| राहु      | 28:10:1995 |
| गुरू      | 16:03:1996 |
| शनि       | 18:07:1996 |

### केतु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 13:12:1996 |
| शुक्र     | 05:01:1997 |
| रवि       | 09:03:1997 |
| चंद्र     | 29:03:1997 |
| मंगळ      | 30:04:1997 |
| राहु      | 22:05:1997 |
| गुरू      | 18:07:1997 |
| शनि       | 07:09:1997 |
| बुध       | 07:11:1997 |

### शुक्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 31:12:1997 |
| रवि       | 02:07:1998 |
| चंद्र     | 26:08:1998 |
| मंगळ      | 25:11:1998 |
| राहु      | 28:01:1999 |
| गुरू      | 11:07:1999 |
| शनि       | 04:12:1999 |
| बुध       | 26:05:2000 |
| केतु      | 28:10:2000 |

### रवि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 31:12:2000 |
| चंद्र     | 17:01:2001 |
| मंगळ      | 13:02:2001 |
| राहु      | 04:03:2001 |
| गुरू      | 23:04:2001 |
| शनि       | 05:06:2001 |
| बुध       | 27:07:2001 |
| केतु      | 12:09:2001 |
| शुक्र     | 01:10:2001 |

### चंद्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 25:11:2001 |
| मंगळ      | 10:01:2002 |
| राहु      | 10:02:2002 |
| गुरू      | 04:05:2002 |
| शनि       | 16:07:2002 |
| बुध       | 10:10:2002 |
| केतु      | 27:12:2002 |
| शुक्र     | 28:01:2003 |
| रवि       | 29:04:2003 |

### मंगळ अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 26:05:2003 |
| राहु      | 18:06:2003 |
| गुरू      | 14:08:2003 |
| शनि       | 04:10:2003 |
| बुध       | 04:12:2003 |
| केतु      | 27:01:2004 |
| शुक्र     | 19:02:2004 |
| रवि       | 23:04:2004 |
| चंद्र     | 12:05:2004 |



**गुरु ग्रह दशा**

( Start Date: 13:06:2004, End Date: 12:06:2020 )

**गुरु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरु      | 13:06:2004 |
| शनि       | 25:09:2004 |
| बुध       | 27:01:2005 |
| केतु      | 17:05:2005 |
| शुक्र     | 02:07:2005 |
| रवि       | 08:11:2005 |
| चंद्र     | 17:12:2005 |
| मंगळ      | 20:02:2006 |
| राहु      | 07:04:2006 |

**शनि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 01:08:2006 |
| बुध       | 26:12:2006 |
| केतु      | 06:05:2007 |
| शुक्र     | 29:06:2007 |
| रवि       | 30:11:2007 |
| चंद्र     | 15:01:2008 |
| मंगळ      | 01:04:2008 |
| राहु      | 25:05:2008 |
| गुरु      | 12:10:2008 |

**बुध अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 12:02:2009 |
| केतु      | 09:06:2009 |
| शुक्र     | 27:07:2009 |
| रवि       | 12:12:2009 |
| चंद्र     | 23:01:2010 |
| मंगळ      | 02:04:2010 |
| राहु      | 20:05:2010 |
| गुरु      | 21:09:2010 |
| शनि       | 09:01:2011 |

**केतु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 20:05:2011 |
| शुक्र     | 09:06:2011 |
| रवि       | 05:08:2011 |
| चंद्र     | 22:08:2011 |
| मंगळ      | 19:09:2011 |
| राहु      | 09:10:2011 |
| गुरु      | 29:11:2011 |
| शनि       | 14:01:2012 |
| बुध       | 08:03:2012 |

**शुक्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 25:04:2012 |
| रवि       | 05:10:2012 |
| चंद्र     | 23:11:2012 |
| मंगळ      | 12:02:2013 |
| राहु      | 10:04:2013 |
| गुरु      | 03:09:2013 |
| शनि       | 11:01:2014 |
| बुध       | 14:06:2014 |
| केतु      | 30:10:2014 |

**रवि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 25:12:2014 |
| चंद्र     | 09:01:2015 |
| मंगळ      | 02:02:2015 |
| राहु      | 19:02:2015 |
| गुरु      | 04:04:2015 |
| शनि       | 13:05:2015 |
| बुध       | 28:06:2015 |
| केतु      | 09:08:2015 |
| शुक्र     | 26:08:2015 |

**चंद्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 13:10:2015 |
| मंगळ      | 23:11:2015 |
| राहु      | 21:12:2015 |
| गुरु      | 03:03:2016 |
| शनि       | 08:05:2016 |
| बुध       | 24:07:2016 |
| केतु      | 01:10:2016 |
| शुक्र     | 29:10:2016 |
| रवि       | 19:01:2017 |

**मंगळ अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 12:02:2017 |
| राहु      | 04:03:2017 |
| गुरु      | 24:04:2017 |
| शनि       | 08:06:2017 |
| बुध       | 01:08:2017 |
| केतु      | 19:09:2017 |
| शुक्र     | 08:10:2017 |
| रवि       | 04:12:2017 |
| चंद्र     | 21:12:2017 |

**राहु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 19:01:2018 |
| गुरु      | 30:05:2018 |
| शनि       | 24:09:2018 |
| बुध       | 10:02:2019 |
| केतु      | 14:06:2019 |
| शुक्र     | 04:08:2019 |
| रवि       | 28:12:2019 |
| चंद्र     | 10:02:2020 |
| मंगळ      | 23:04:2020 |

## शनि ग्रह दशा

( Start Date: 13:06:2020, End Date: 13:06:2039 )

### शनि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 13:06:2020 |
| बुध       | 04:12:2020 |
| केतु      | 09:05:2021 |
| शुक्र     | 12:07:2021 |
| रवि       | 11:01:2022 |
| चंद्र     | 07:03:2022 |
| मंगळ      | 07:06:2022 |
| राहु      | 10:08:2022 |
| गुरू      | 21:01:2023 |

### बुध अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 17:06:2023 |
| केतु      | 03:11:2023 |
| शुक्र     | 30:12:2023 |
| रवि       | 11:06:2024 |
| चंद्र     | 31:07:2024 |
| मंगळ      | 21:10:2024 |
| राहु      | 17:12:2024 |
| गुरू      | 14:05:2025 |
| शनि       | 22:09:2025 |

### केतु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 24:02:2026 |
| शुक्र     | 20:03:2026 |
| रवि       | 26:05:2026 |
| चंद्र     | 15:06:2026 |
| मंगळ      | 19:07:2026 |
| राहु      | 12:08:2026 |
| गुरू      | 11:10:2026 |
| शनि       | 04:12:2026 |
| बुध       | 06:02:2027 |

### शुक्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 05:04:2027 |
| रवि       | 14:10:2027 |
| चंद्र     | 11:12:2027 |
| मंगळ      | 17:03:2028 |
| राहु      | 23:05:2028 |
| गुरू      | 13:11:2028 |
| शनि       | 16:04:2029 |
| बुध       | 16:10:2029 |
| केतु      | 29:03:2030 |

### रवि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 05:06:2030 |
| चंद्र     | 22:06:2030 |
| मंगळ      | 21:07:2030 |
| राहु      | 10:08:2030 |
| गुरू      | 01:10:2030 |
| शनि       | 16:11:2030 |
| बुध       | 10:01:2031 |
| केतु      | 28:02:2031 |
| शुक्र     | 21:03:2031 |

### चंद्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 17:05:2031 |
| मंगळ      | 04:07:2031 |
| राहु      | 07:08:2031 |
| गुरू      | 02:11:2031 |
| शनि       | 18:01:2032 |
| बुध       | 19:04:2032 |
| केतु      | 10:07:2032 |
| शुक्र     | 13:08:2032 |
| रवि       | 17:11:2032 |

### मंगळ अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 16:12:2032 |
| राहु      | 09:01:2033 |
| गुरू      | 10:03:2033 |
| शनि       | 03:05:2033 |
| बुध       | 06:07:2033 |
| केतु      | 02:09:2033 |
| शुक्र     | 25:09:2033 |
| रवि       | 02:12:2033 |
| चंद्र     | 22:12:2033 |

### राहु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 25:01:2034 |
| गुरू      | 30:06:2034 |
| शनि       | 15:11:2034 |
| बुध       | 29:04:2035 |
| केतु      | 24:09:2035 |
| शुक्र     | 23:11:2035 |
| रवि       | 15:05:2036 |
| चंद्र     | 06:07:2036 |
| मंगळ      | 01:10:2036 |

### गुरू अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 01:12:2036 |
| शनि       | 03:04:2037 |
| बुध       | 28:08:2037 |
| केतु      | 06:01:2038 |
| शुक्र     | 01:03:2038 |
| रवि       | 02:08:2038 |
| चंद्र     | 17:09:2038 |
| मंगळ      | 03:12:2038 |
| राहु      | 26:01:2039 |

**बुध ग्रह दशा**

( Start Date: 14:06:2039, End Date: 12:06:2056 )

**बुध अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 14:06:2039 |
| केतु      | 16:10:2039 |
| शुक्र     | 06:12:2039 |
| रवि       | 01:05:2040 |
| चंद्र     | 14:06:2040 |
| मंगळ      | 27:08:2040 |
| राहु      | 17:10:2040 |
| गुरू      | 26:02:2041 |
| शनि       | 24:06:2041 |

**केतु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 10:11:2041 |
| शुक्र     | 01:12:2041 |
| रवि       | 30:01:2042 |
| चंद्र     | 17:02:2042 |
| मंगळ      | 19:03:2042 |
| राहु      | 10:04:2042 |
| गुरू      | 03:06:2042 |
| शनि       | 21:07:2042 |
| बुध       | 16:09:2042 |

**शुक्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 07:11:2042 |
| रवि       | 28:04:2043 |
| चंद्र     | 19:06:2043 |
| मंगळ      | 13:09:2043 |
| राहु      | 12:11:2043 |
| गुरू      | 16:04:2044 |
| शनि       | 01:09:2044 |
| बुध       | 12:02:2045 |
| केतु      | 09:07:2045 |

**रवि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 07:09:2045 |
| चंद्र     | 22:09:2045 |
| मंगळ      | 18:10:2045 |
| राहु      | 05:11:2045 |
| गुरू      | 22:12:2045 |
| शनि       | 01:02:2046 |
| बुध       | 22:03:2046 |
| केतु      | 05:05:2046 |
| शुक्र     | 23:05:2046 |

**चंद्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 14:07:2046 |
| मंगळ      | 26:08:2046 |
| राहु      | 25:09:2046 |
| गुरू      | 12:12:2046 |
| शनि       | 19:02:2047 |
| बुध       | 12:05:2047 |
| केतु      | 24:07:2047 |
| शुक्र     | 23:08:2047 |
| रवि       | 17:11:2047 |

**मंगळ अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 13:12:2047 |
| राहु      | 03:01:2048 |
| गुरू      | 27:02:2048 |
| शनि       | 15:04:2048 |
| बुध       | 12:06:2048 |
| केतु      | 02:08:2048 |
| शुक्र     | 23:08:2048 |
| रवि       | 23:10:2048 |
| चंद्र     | 10:11:2048 |

**राहु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 10:12:2048 |
| गुरू      | 29:04:2049 |
| शनि       | 31:08:2049 |
| बुध       | 25:01:2050 |
| केतु      | 06:06:2050 |
| शुक्र     | 30:07:2050 |
| रवि       | 01:01:2051 |
| चंद्र     | 17:02:2051 |
| मंगळ      | 06:05:2051 |

**गुरू अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 29:06:2051 |
| शनि       | 17:10:2051 |
| बुध       | 25:02:2052 |
| केतु      | 22:06:2052 |
| शुक्र     | 09:08:2052 |
| रवि       | 26:12:2052 |
| चंद्र     | 05:02:2053 |
| मंगळ      | 15:04:2053 |
| राहु      | 02:06:2053 |

**शनि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 04:10:2053 |
| बुध       | 09:03:2054 |
| केतु      | 26:07:2054 |
| शुक्र     | 21:09:2054 |
| रवि       | 04:03:2055 |
| चंद्र     | 22:04:2055 |
| मंगळ      | 13:07:2055 |
| राहु      | 08:09:2055 |
| गुरू      | 03:02:2056 |



## केतु ग्रह दशा

( Start Date: 13:06:2056, End Date: 13:06:2063 )

### केतु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 13:06:2056 |
| शुक्र     | 22:06:2056 |
| रवि       | 17:07:2056 |
| चंद्र     | 24:07:2056 |
| मंगळ      | 06:08:2056 |
| राहु      | 14:08:2056 |
| गुरू      | 06:09:2056 |
| शनि       | 26:09:2056 |
| बुध       | 19:10:2056 |

### शुक्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 10:11:2056 |
| रवि       | 20:01:2057 |
| चंद्र     | 10:02:2057 |
| मंगळ      | 17:03:2057 |
| राहु      | 11:04:2057 |
| गुरू      | 14:06:2057 |
| शनि       | 10:08:2057 |
| बुध       | 16:10:2057 |
| केतु      | 16:12:2057 |

### रवि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 10:01:2058 |
| चंद्र     | 16:01:2058 |
| मंगळ      | 27:01:2058 |
| राहु      | 03:02:2058 |
| गुरू      | 22:02:2058 |
| शनि       | 11:03:2058 |
| बुध       | 31:03:2058 |
| केतु      | 19:04:2058 |
| शुक्र     | 26:04:2058 |

### चंद्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 17:05:2058 |
| मंगळ      | 04:06:2058 |
| राहु      | 16:06:2058 |
| गुरू      | 18:07:2058 |
| शनि       | 16:08:2058 |
| बुध       | 19:09:2058 |
| केतु      | 19:10:2058 |
| शुक्र     | 31:10:2058 |
| रवि       | 06:12:2058 |

### मंगळ अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 16:12:2058 |
| राहु      | 25:12:2058 |
| गुरू      | 16:01:2059 |
| शनि       | 05:02:2059 |
| बुध       | 01:03:2059 |
| केतु      | 22:03:2059 |
| शुक्र     | 31:03:2059 |
| रवि       | 24:04:2059 |
| चंद्र     | 02:05:2059 |

### राहु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 14:05:2059 |
| गुरू      | 11:07:2059 |
| शनि       | 31:08:2059 |
| बुध       | 31:10:2059 |
| केतु      | 24:12:2059 |
| शुक्र     | 15:01:2060 |
| रवि       | 19:03:2060 |
| चंद्र     | 07:04:2060 |
| मंगळ      | 10:05:2060 |

### गुरू अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 01:06:2060 |
| शनि       | 16:07:2060 |
| बुध       | 09:09:2060 |
| केतु      | 27:10:2060 |
| शुक्र     | 16:11:2060 |
| रवि       | 12:01:2061 |
| चंद्र     | 29:01:2061 |
| मंगळ      | 26:02:2061 |
| राहु      | 18:03:2061 |

### शनि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 08:05:2061 |
| बुध       | 11:07:2061 |
| केतु      | 07:09:2061 |
| शुक्र     | 30:09:2061 |
| रवि       | 07:12:2061 |
| चंद्र     | 27:12:2061 |
| मंगळ      | 30:01:2062 |
| राहु      | 22:02:2062 |
| गुरू      | 24:04:2062 |

### बुध अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 17:06:2062 |
| केतु      | 07:08:2062 |
| शुक्र     | 28:08:2062 |
| रवि       | 27:10:2062 |
| चंद्र     | 15:11:2062 |
| मंगळ      | 15:12:2062 |
| राहु      | 05:01:2063 |
| गुरू      | 28:02:2063 |
| शनि       | 17:04:2063 |

**शुक्र ग्रह दशा**

( Start Date: 14:06:2063, End Date: 13:06:2083 )

**शुक्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 14:06:2063 |
| रवि       | 02:01:2064 |
| चंद्र     | 03:03:2064 |
| मंगळ      | 13:06:2064 |
| राहु      | 23:08:2064 |
| गुरू      | 22:02:2065 |
| शनि       | 03:08:2065 |
| बुध       | 12:02:2066 |
| केतु      | 03:08:2066 |

**रवि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 13:10:2066 |
| चंद्र     | 01:11:2066 |
| मंगळ      | 01:12:2066 |
| राहु      | 22:12:2066 |
| गुरू      | 15:02:2067 |
| शनि       | 05:04:2067 |
| बुध       | 02:06:2067 |
| केतु      | 23:07:2067 |
| शुक्र     | 14:08:2067 |

**चंद्र अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 13:10:2067 |
| मंगळ      | 03:12:2067 |
| राहु      | 08:01:2068 |
| गुरू      | 08:04:2068 |
| शनि       | 28:06:2068 |
| बुध       | 03:10:2068 |
| केतु      | 28:12:2068 |
| शुक्र     | 02:02:2069 |
| रवि       | 14:05:2069 |

**मंगळ अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 14:06:2069 |
| राहु      | 09:07:2069 |
| गुरू      | 10:09:2069 |
| शनि       | 06:11:2069 |
| बुध       | 13:01:2070 |
| केतु      | 14:03:2070 |
| शुक्र     | 08:04:2070 |
| रवि       | 18:06:2070 |
| चंद्र     | 09:07:2070 |

**राहु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 14:08:2070 |
| गुरू      | 25:01:2071 |
| शनि       | 20:06:2071 |
| बुध       | 10:12:2071 |
| केतु      | 14:05:2072 |
| शुक्र     | 17:07:2072 |
| रवि       | 16:01:2073 |
| चंद्र     | 11:03:2073 |
| मंगळ      | 11:06:2073 |

**गुरू अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 14:08:2073 |
| शनि       | 21:12:2073 |
| बुध       | 24:05:2074 |
| केतु      | 09:10:2074 |
| शुक्र     | 05:12:2074 |
| रवि       | 16:05:2075 |
| चंद्र     | 04:07:2075 |
| मंगळ      | 23:09:2075 |
| राहु      | 19:11:2075 |

**शनि अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 13:04:2076 |
| बुध       | 14:10:2076 |
| केतु      | 27:03:2077 |
| शुक्र     | 02:06:2077 |
| रवि       | 12:12:2077 |
| चंद्र     | 07:02:2078 |
| मंगळ      | 15:05:2078 |
| राहु      | 21:07:2078 |
| गुरू      | 11:01:2079 |

**बुध अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 14:06:2079 |
| केतु      | 07:11:2079 |
| शुक्र     | 07:01:2080 |
| रवि       | 27:06:2080 |
| चंद्र     | 18:08:2080 |
| मंगळ      | 13:11:2080 |
| राहु      | 12:01:2081 |
| गुरू      | 16:06:2081 |
| शनि       | 01:11:2081 |

**केतु अंतरदशा**

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 14:04:2082 |
| शुक्र     | 09:05:2082 |
| रवि       | 19:07:2082 |
| चंद्र     | 09:08:2082 |
| मंगळ      | 13:09:2082 |
| राहु      | 08:10:2082 |
| गुरू      | 11:12:2082 |
| शनि       | 06:02:2083 |
| बुध       | 14:04:2083 |

## रवि ब्रह्म दशा

( Start Date: 14:06:2083, End Date: 13:06:2089 )

### रवि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| रवि       | 14:06:2083 |
| चंद्र     | 19:06:2083 |
| मंगळ      | 28:06:2083 |
| राहु      | 05:07:2083 |
| गुरू      | 21:07:2083 |
| शनि       | 05:08:2083 |
| बुध       | 22:08:2083 |
| केतु      | 07:09:2083 |
| शुक्र     | 13:09:2083 |

### चंद्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| चंद्र     | 01:10:2083 |
| मंगळ      | 16:10:2083 |
| राहु      | 27:10:2083 |
| गुरू      | 23:11:2083 |
| शनि       | 18:12:2083 |
| बुध       | 16:01:2084 |
| केतु      | 11:02:2084 |
| शुक्र     | 21:02:2084 |
| रवि       | 23:03:2084 |

### मंगळ अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| मंगळ      | 01:04:2084 |
| राहु      | 08:04:2084 |
| गुरू      | 28:04:2084 |
| शनि       | 15:05:2084 |
| बुध       | 04:06:2084 |
| केतु      | 22:06:2084 |
| शुक्र     | 30:06:2084 |
| रवि       | 21:07:2084 |
| चंद्र     | 27:07:2084 |

### राहु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| राहु      | 07:08:2084 |
| गुरू      | 25:09:2084 |
| शनि       | 08:11:2084 |
| बुध       | 31:12:2084 |
| केतु      | 15:02:2085 |
| शुक्र     | 06:03:2085 |
| रवि       | 30:04:2085 |
| चंद्र     | 16:05:2085 |
| मंगळ      | 13:06:2085 |

### गुरू अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| गुरू      | 02:07:2085 |
| शनि       | 10:08:2085 |
| बुध       | 25:09:2085 |
| केतु      | 05:11:2085 |
| शुक्र     | 22:11:2085 |
| रवि       | 10:01:2086 |
| चंद्र     | 25:01:2086 |
| मंगळ      | 18:02:2086 |
| राहु      | 07:03:2086 |

### शनि अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शनि       | 20:04:2086 |
| बुध       | 14:06:2086 |
| केतु      | 02:08:2086 |
| शुक्र     | 22:08:2086 |
| रवि       | 19:10:2086 |
| चंद्र     | 05:11:2086 |
| मंगळ      | 04:12:2086 |
| राहु      | 24:12:2086 |
| गुरू      | 14:02:2087 |

### बुध अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| बुध       | 02:04:2087 |
| केतु      | 16:05:2087 |
| शुक्र     | 03:06:2087 |
| रवि       | 24:07:2087 |
| चंद्र     | 09:08:2087 |
| मंगळ      | 04:09:2087 |
| राहु      | 22:09:2087 |
| गुरू      | 07:11:2087 |
| शनि       | 19:12:2087 |

### केतु अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| केतु      | 06:02:2088 |
| शुक्र     | 14:02:2088 |
| रवि       | 06:03:2088 |
| चंद्र     | 12:03:2088 |
| मंगळ      | 23:03:2088 |
| राहु      | 30:03:2088 |
| गुरू      | 19:04:2088 |
| शनि       | 06:05:2088 |
| बुध       | 26:05:2088 |

### शुक्र अंतरदशा

| प्रत्यंतर | पासून      |
|-----------|------------|
| शुक्र     | 13:06:2088 |
| रवि       | 13:08:2088 |
| चंद्र     | 31:08:2088 |
| मंगळ      | 01:10:2088 |
| राहु      | 22:10:2088 |
| गुरू      | 16:12:2088 |
| शनि       | 03:02:2089 |
| बुध       | 02:04:2089 |
| केतु      | 23:05:2089 |



## आवश्यक भविष्यवाणी (लाल किताब)

### अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा)

लाल किताब नुसार कुंडलीत दशम स्थानी एकमेकांचे शषू असलेले दोन ग्रह स्थित असतील तर अशा कुंडलीला अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा) असे म्हणतात. दशम भाव म्हणजे जातकाचे कर्मस्थान. या स्थानाचा जातकाच्या उत्पन्नाशीदेखील संबंध आहे. त्यामुळे या स्थानी दोन किंवा अधिक परस्पर शषू ग्रह स्थित असतील तर जातकाच्या कर्मक्षेष्णामध्ये समतोल ढासळतो. जातकाच्या नोकरी-व्यवसायात स्थैर्य नसते. दशम भावातील अंध असलेल्या ग्रहांचा दोष घालविण्याकरिता दहा अंध व्यक्तींना अन्नदान (भोजन) करावे.

निष्कर्ष : आपल्या कुंडलीत अंध ग्रहांचा टेवा नाही.

### अर्धांध (रातांधळ्या) ग्रहांची कुंडली (टेवा)

लाल किताबनुसार चतुर्थ भावामध्ये सूर्य आणि सप्तम भावामध्ये शनि स्थित असलेल्या कुंडलीला अर्ध अंध ग्रहांची कुंडली म्हणतात. या ग्रहस्थितीचा जातकाच्या मानसिक स्थितीवर तसेच व्यावसायिक जीवनावरही अशुभ परिणाम होतो. जातकाच्या मानसिक शांतीमध्ये प्रचंड कमतरता येऊ शकते. चतुर्थ स्थान हे कौटुंबिक सुखाचेही कारक आहे त्यामुळे कौटुंबिक सुखाचा अभाव किंवा त्याविषयी असमाधान असण्याची शक्यता बळावते.

निष्कर्ष : आपल्या कुंडली अर्ध अंध ग्रहांची कुंडली (टेवा) नाही.

### धर्मी टेवा (कुंडली)

लाल किताबनुसार कुंडलीत गुरुसोबत शनि स्थित असेल तर अशा कुंडलीला धर्मी कुंडली असे म्हणतात. या जातकाला आयुष्यात उलथापालथ होण्याइतपत शक्यतो कोणत्याही मोठ्या समस्या येत नाहीत. अगदीच अटितटीच्या प्रसंगी यांना कुठूनतरी दैवी मदत प्राप्त होते.

निष्कर्ष : ही कुंडली धर्मी कुंडली (टेवा) नाही.

## ब्रह्मफल - (लाल किताब)

### रवि चतुर्थ स्थानी



आपल्या कुडलीत रवी चतुर्थ स्थानी आहे. आपण धन संपत्ती जमा कराल आणि इतर लोक त्याचा उपभोग घेतील. आपली संतती करोडपती बनेल. आपण एखाद्या नवीन गोष्टीचा शोध लावाल आणि त्यापासून आपणास लाभ होईल. आपणास नवीन कार्यात यश प्राप्त होईल. जर आपण वडीलोपार्जित व्यवसाय सोडून दुसरा व्यवसाय केला तर त्यात अधिक लाभ होईल. आपण आपला देश सोडून परदेशात वास्तव्य कराल. आपले वडीलांबरोबर संबंध चांगले असतील. आपणास वडीलोपार्जित संपत्ती मिळेल. जर आपण आपल्या घरी नळ किंवा विहीर खोदाल तर आपणास त्याचे शुभ परिणाम मिळतील. आपणास मानसिक शांती मिळेल. आपणास आपल्या वयाच्या 25 ते 50 या कालावधीत अधिक लाभ होतील. पाणी, कपडे आणि दुग्ध व्यवसाय आपणासाठी अत्यंत लाभकारी ठरतील. आपण फळे देणारे वृक्ष लावावेत.

आपल्या भाग्याची आपणावर विशेष मर्जी राहिल. जर आपण रात्री काम केले तर त्यापासून आपणास अधिक लाभ होईल. आपणास समुद्री प्रवासापासून लाभ होईल. आपणास सरकारी विभागाकडून लाभ प्राप्त होईल. आपली पत्नी आपल्यासाठी भाग्यकारक ठरेल. आपणास तिच्याकडून लाभ होईल. पत्नीस तिच्या कार्यात यश मिळेल. जर आपण वाहनासंबंधी व्यवसाय करित असाल तर त्याचा आपणास लाभ होईल.

आपल्याला जर चोरीची सवय लागली, इतरांच्या कार्यात लूडबूड करून ते कार्य बिघडविले, कोणत्याही स्त्रीशी गैरवर्तन केले किंवा परस्त्रीशी अनैतिक संबंध ठेवले तर आपला रवी बलहीन होऊ शकतो. जर आपला रवी कोणत्याही कारणाने बलहीन झाला असेल तर त्याचा वाईट परिणाम आपल्या मुलांवर पडेल. आपली आई व बहीण यांना संकटाचा सामना करावा लागेल. आपण विनाकारण दुःखी व्हाल. आपली आई काळजी करेल व तिचे आरोग्य ठीक राहणार नाही. आपणास जीवनात अनेक समस्यांना तोंड द्यावे लागेल. आपण जर इतरांच्या कार्यात विघ्न आणलीत तर आपले कार्यही पूर्णत्वास जाणार नाही व आपणास रक्तदाबाचा विकार उद्भवू शकतो. आपल्या आई वडीलांच्या सुखात कमतरता येण्याची शक्यता आहे.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

**दक्षता :**

- 1— आपणास चोरीपासून दूर राहीले पाहीजे.
- 2— स्त्रीयांबरोबर भांडण करु नये.

**उपाय :**

- 1— अंध व्यक्तींना भोजन द्यावे.
- 2— शुध्द सोने परिधान करावे.

**चंद्र प्रथम स्थानी**

आपल्या कुंडलीत चंद्र प्रथम स्थानी आहे. आपला जन्म नवसाने झाला असेल किंवा आपला जन्म एक किंवा दोन बहीणींच्या जन्मानंतर झाला असेल. आपले व्यक्तीमत्व सर्वांना आकर्षित करणारे असेल. आपणास पांढायरे वस्त्र परिधान करणे आवडेल. आपला स्वभाव नम्र आणि शांत असेल. आपण सुंदर असाल. आपण विद्वान असाल आणि आपले अनेक भाषांवर प्रभुत्व असेल. आपणास वडिलोपार्जीत संपत्ती प्राप्त होईल. आपल्या घरी पैशाची कधीच कमतरता भासणार नाही व आपण संपन्न असाल. जर आपला विवाह 28 व्या वर्षी झाला तर आपले संपूर्ण जीवन सुखी होईल. आपणास एखाद्या व्यक्तीचे धन किंवा संपत्ती प्राप्त होईल ज्यामुळे आपण धनवान बनाल. जोपर्यंत आपली आई जिवंत आहे तोपर्यंत आपणास धनाची कमतरता जाणवणार नाही.

आपण दीर्घायुषी असाल. आपणास सरकारी सन्मान प्राप्त होईल. आपल्या जन्मानंतर आपल्या वडीलांची आर्थिक स्थिती सुधारेल. आपल्या वडीलांना व्यवसायात आर्थिक लाभ होईल आणि त्याचे जीवनात शुभ परिणाम होतील. जर आपण 24 ते 27 या वर्षी प्रवासास गेला असाल तर आल्यानंतर आपल्या आईचा आशीर्वाद घ्यावा. याने आपली आई दीर्घायु होईल. आपण वयाच्या 24 च्या अगोदर घर बांधू नये. आपली वृद्धावस्था सुखमयी जाईल.

आपण जर 24 व्या वर्षाच्या अगोदर घर बांधाल, 28 पूर्वी विवाह केलात, आपल्या आया सोबत भांडण केले किंवा गाईला त्रास दिला तर आपला चंद्र बलहीन होऊ शकतो. काही कारणाने आपला चंद्र बलहीन झाला असेल तर आपण पाण्याम बुडू शकता. आपणास मानसिक शांती मिळू शकणार नाही आणि आपण नेहमी चिंतीत रहाल. आपणास मानसिक रोग होण्याची शक्यता आहे. आपले आरोग्य उत्तम राहणार नाही. आपणास नेत्र आणि



हृदयासंबंधी विकार होतील. आपणास पुत्र सुख प्राप्त होणार नाही.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

**दक्षता :**

- 1— आपल्या आईबरोबर किंवा वृद्ध स्त्रीयांबरोबर भांडण करू नये.
- 2— आपण नैतिक मार्गापासून विचलीत होण्याचे टाळावे.

**उपाय :**

- 1— चांदीच्या ग्लासमध्ये पाणी किंवा दूध प्यावे.
- 2— पिंपळाच्या वृक्षाला पाणी घालावे.

### मंगळ अष्टम स्थानी



आपल्या कुंडलीत मंगळ अष्टम स्थानी आहे. लाल किताब नुसार आपण मंगळी आहात. आपणास आपल्या आई वडीलांचे संपूर्ण सहकार्य मिळेल. आपल्या जोडीदाराबरोबर आपले संबंध उत्तम असतील आणि आपले वैवाहीक जीवन आनंदी असेल. आपण निडर आणि उत्साही असाल. परिणामांचा विचार न करता आपण संकटांचा सामना करता. आपण न्याय मिळविण्याकरीता लढाई करण्यासाठी मागे फिरणार नाही. आपण आपले काम अत्यंत आवडीने आणि मन लावून कराल. ईश्वर आपले जीवनातील अनेक वाईट घटनांपासून संरक्षण करेल. आपण विघ्नांचा सामना चिंता न करता समर्थपणे कराल. आपणास आपल्या सासरच्या लोकांकडून संपत्ती प्राप्त होईल. आपण आपल्या शत्रुला पराभूत कराल.

आपण जर विधवा स्त्री बरोबर भांडण कराल, नेहमी आपण आपल्याजवळ चाकू बाळगाल, लोकांबरोबर भांडण कराल, आपल्या घरात जमीनीच्या खाली भट्टी असेल तर आपला मंगळ बलहीन होऊ शकतो. काही कारणाने आपला मंगळ बलहीन झाला तर आपल्या लहान भावाला अशुभ परिणाम मिळतील. त्यामुळे भांडण होण्याची शक्यता आहे. आपल्या भावामुळे आपले नुकसान होईल. अचानक झालेल्या दुर्घटनेमुळे आपणास रक्तासंबंधी विकार उद्भवू शकतात किंवा नखासंबंधी विकार होऊ शकतात. एखाद्या व्यक्तीवर विनाकारण रागवल्यामुळे आपणास पश्चाताप करावा लागेल. आपले नुकसानही होऊ शकते. कोणी तरी आपल्यावर आक्रमण करू शकते.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

दक्षता :

- 1- आपल्या घरात जमीनीच्या खाली कसली भट्टी ठेऊ नये.
- 2- पोपट पाळू नये.

उपाय :

- 1- शरीरावर सोने घालावे.
- 2- दही, बटाटे धार्मिक स्थळी दान करावे.

### बुध तृतीय स्थानी



आपल्या कुंडलीत बुध तृतीय स्थानी आहे. आपण नेहमी प्रवास कराल. आपणास वैद्यकीय व्यवसायात याश प्राप्त होईल. आपले मित्र आणि आपले नातेवाईक आपली सहायता करतील. आपणास वाईट परिणामांबरोबर चांगले परिणामही प्राप्त होतील. आपण इतरांसाठी भाग्यवान ठराल. आपणास जो कोणी भेटेल त्याचा लाभ होईल. आपणास कमाईची उत्तम साधने प्राप्त होतील. आपण जर फळे, शेती, काशाची भांडी, पशुपालनाच्या संबंधीत व्यवसाय करीत असाल तर आपणास लाभ प्राप्त होतील. आपण आपले मामा आणि मुलांसाठी लाभकारी असाल. आपणास दम्यावर उपचार करता येतील. आपण आपल्या व्यवसायात प्रगती कराल. आपण निडर बनाल परंतु भांडण तंट्यापासून दूर रहाल. आपणास वाईट कार्याचा तिरस्कार असेल. कोणत्याही नवीन कार्यास प्रारंभ करताना आपल्या डोक्यात अनेक विचार येतील आणि आपण त्यावर विश्वास ठेवाल व त्याप्रमाणे वागाल.

आपण जर आपली आत्मा, बहीण, मुलीच्या धनाचा वापर केला, रुंद पानांचा वृक्ष लावला, दक्षिणामुखी घरात वास्तव्य केले तर आपला बुध बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपली बुध बलहीन झाला तर आपले जीवन तितकेसे चांगले असणार नाही. आपणास भावंडाचे सुख मिळणार नाही. आपले त्यांच्याबरोबर भांडण होईल. आपले भाग्य विलंबाने उजळेल. आपणास संततीसुख उशीरा प्राप्त होईल.

आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.

दक्षता :

- 1— पोपट, मेंढ्या आणि बकरी पाळू नये.
- 2— तावीज, गंडेदोरे, पाणी आणि विभूतीपासून दूर रहावे.

उपाय :

- 1— कन्यांची सेवा करावी किंवा दुर्गापाठ करावा.
- 2— आपल्या कपाळावर हळद किंवा केशरचा टिळा लावावा.

### गुरु पंचम स्थानी



आपल्या कुडलीत गुरु पंचम स्थानी आहे. आपली मुले प्रगती करतील. आपले वय वाढायेल तशी आपली प्रगती होईल. आपण वयाच्या 16 व्या वर्षाच्या दरम्यान आपले भाग्य उजळेल. आपण संततीच्या बाबतीत सुखी असाल. आपणास 60 वर्षापर्यंतच्या काळात उत्तम परिणाम मिळतील. आपल्या मुलाच्या जन्मानंतर आपणास आपल्या वडिलांकडून किंवा आजोबांकडून मदत मिळणार नाही. आपल्या संतानाचा जन्म गुरुवारी होईल व त्यानंतर आपले भाग्य चमकेल. आपणास अध्यात्माचे परम ज्ञान असेल व त्यात यश संपादन कराल. आपण व्यापाराद्वारे किंवा लेखनाद्वारे धन प्राप्ती कराल. आपण इतरांची मदत कराल. आपण धनसंचय कराल आणि सुखी रहाल. सामाजीक क्षेत्रात आपणास प्रमुख मानले जाईल.

आपण जर धर्माच्या विरुद्ध जाण्याचा विचार कराल, धर्माच्या नावाखाली धन गोळा केले असेल, साधुंबरोबर भांडण केले तर आपला गुरु बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला गुरु बलहीन झाला असेल तर आपण अधिक रागीट बनू शकता. आपण जर परस्त्रीयांबरोबर अनैतिक संबंध ठेवाल तर आपणास अडचणींना सामोरे जावे लागेल. आपण जर वरिष्ठांबरोबर वैर भाव ठेवला किंवा विना मोबदला काही सामान घेतले तर आपले नुकसान होऊ शकते. आपण मांसाहारी भोजन केले किंवा आळस केला तर आपले नुकसान होऊ शकते.

**आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.**

दक्षता :

- 1— देवावर श्रद्धा ठेवावी.

उपाय :

- 1- साधुंची सेवा करावी.
- 2- धर्मशाळा किंवा धार्मिक स्थान स्वच्छ ठेवावे.

### शुक्र पंचम स्थानी



आपल्या कुंडलीत शुक्र पंचम स्थानी आहे. आपण विद्वान असाल. आपण आपल्या शत्रुला पराभूत कराल. आपणास संततीसुखाची प्राप्ती होईल. आपले पत्नीबरोबर संबंध मधुर असतील आणि आपले वैवाहीक जीवन आनंदी असेल. आपली पत्नी प्रामाणीक असेल. आपणास सफेद रंगाच्या वस्तुंपासून लाभ होईल. आपण आपल्या समुदायावर प्रेम कराल. आपल्या विवाहाच्या 5 वर्षांनंतर आपणास धन आणि नोकरांचे मोठ्या प्रमाणावर सुख लाभेल. आपण आपल्या व्यवसायात प्रगती कराल. जोपर्यंत आपली पत्नी हयात आहे तोपर्यंत आपणास कुठल्याच प्रकारचा अभाव जाणवणार नाही. आपले धन वाढायेल. आपण आपल्या कुटुंबावर आणि देशावर प्रेम कराल. आपण आपल्या भावासाठी अनुकूल असाल. आपणास जीवनात अडचणीचा सामना करावा लागणार नाही. आपले जीवन आनंदी आणि शांतीपूर्ण असेल.

आपण जर आपले चारित्र्य निर्मळ ठेवले नाही, आपल्या आई वडिलांच्या मर्जी विरुद्ध विवाह केला तर आपला शुक्र बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामळे आपला शुक्र बलहीन झाला असेल तर आपण कामुक होऊ शकता आणि त्यामुळे आपल्या सुखात बाधा येण्याची शक्यता आहे. आपण वाईट संगत ठेवली किंवा प्रेमात पडलात तर आपले भाग्य आपली साथ देणार नाही. आपल्यामुळे आपल्या मित्रांना त्रास होऊ शकतो. आपण दुष्टपी व्यक्तिमत्त्वाचे असाल. आपल्या पत्नीचा गर्भपात होऊ शकतो किंवा आपणास अपत्य प्राप्तीस विलंब होऊ शकतो. आपण जर प्रेम विवाह केला तर आपणास पुत्र प्राप्ती होणार नाही. आपली बहीण किंवा आत्याच्या धनाचा नाश होऊ शकतो.

**आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.**

**दक्षता :**

- 1- स्त्रीयांच्या मागे दिवाने होऊ नये.
- 2- आपल्या आई वडीलांच्या मर्जीविरुद्ध विवाह करू नये.
- 3- प्रेमविवाह किंवा आंतरजातीय विवाह करू नये.

**उपाय :**



- 1— आपल्या शरीरावर दही किंवा दूधाने मालिश करुन स्नान करावे.
- 2— गाईची सेवा करावी.

### शनि दशम स्थानी



आपल्या कुंडलीत शनी दशम स्थानी आहे. आपण महत्वाकांक्षी बनाल. आपणास सरकारकडून लाभ प्राप्त होईल. आपण जर इतरांचा आदर केला तर आपणासही सन्मान प्राप्त होईल. प्रत्येक 7 वर्षांनंतर आपल्या धनात वृद्धी होईल. आपल्या आयुष्यातील प्रत्येक 3 वर्ष आपणासाठी लाभदायक असतील. आपण धार्मिक आणि सदगुणी व्यक्ती बनाल, परंतु आपण वृद्धावस्थेत आपण कुचकामी बनाल. आपणास उत्तम वाहनाचे सुख प्राप्त होईल. आपण मेहनती व्हाल आणि आपले भाग्य स्वतः घडवाल. आपणास 39 व्या वर्षापर्यंत वडिलांचे सुख मिळेल. 3 रे, 4 थे, 9 वे, 21 वे, 33 वे, 40 वे आणि 57 वे वर्ष आपल्यासाठी लाभदायक असेल. आपले धन, प्रगती आणि सन्मानात यावर्षात दहापटीने वृद्धी होईल.

आपण जर वयाच्या 48 वर्षाच्या अगोदर घर बांधले, मांसाहार आणि मद्यपान केले, आपले चारित्र्य निर्मळ ठेवले नाही, यात्रेसंबंधी व्यवसाय करित असाल तर आपला शनी बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला शनी बलहीन झाला असेल तर आपले आई वडिल, जोडीदार आणि सासरच्या लोकांना अडचणींचा सामना करावा लागेल. आपले नुकसान होऊ शकते किंवा आपली उन्नती होण्याचे थांबू शकते. आपले धन आणि सन्मान नष्ट होऊ शकतो. आपणास 27 वे वर्ष अशुभ ठरू शकते.

**आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.**

**दक्षता :**

- 1— मांसाहार आणि मद्यपान करू नये.
- 2— धावपळीचे काम करू नये.

**उपाय :**

- 1— आपल्याजवळ हत्यारे बाळगू नयेत.
- 2— आपल्या कपाळावर केशराचा टिळा लावावा.

## राहु चतुर्थ स्थानी



आपल्या कुडलीत राहू चतुर्थ स्थानी आहे. आपण सदगुणी, धनवान आणि दीर्घायुषी असाल. आपण तीर्थस्थळांची यात्रा कराल. आपण सज्जन असाल आणि आरामदायी जीवन व्यतीत कराल. आपण मोठ्या संपत्तीचे मालक बनाल. आपणास आपल्या नातेवाईकांकडून धन संपत्ती प्राप्त होईल. आपण इतरांची मदत कराल आणि लोक आपणास परोपकारी व्यक्ती मानतील. आपण दयाळू असाल आणि आपणास वाहन सुख प्राप्त होईल. आपण आपली बहीण आणि मुलीसाठी धन खर्च कराल. आपणास आपल्या सासरकडून धन आणि लाभ मिळत राहील. आपल्या सासरचे धन वाढायेल. आपण वयाच्या 24 वर्षांनंतर धन संचय कराल. आपले वडिल आणि संततीस उत्तम परिणाम मिळतील परंतु आपल्या आईच्या बाबतीत असे होणार नाही. आपणास जमीन, घर, वाहन आणि जीवनातील इतर सुख प्राप्त होतील. आपण जर सरकारी नोकरी करीत असाल तर आपणास आपल्या विभागात उच्च पद प्राप्त होईल. आपणास बंदूक किंवा पिस्तुल ठेवण्याची हौस असेल.

आपण जर पूजेची जागा बदलली, लाकडाचा कोळसा आपल्या छतावर ठेवला, शिडीखाली स्वयंपाक केला, आपल्या आईच्या वयाच्या स्त्रीयांबरोबर संबंध ठेवला तर आपला राहू बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला राहू बलहीन झाला असेल तर आपणास वयाच्या 34 व्या वर्षी अडचणींचा सामना करावा लागू शकतो. आपल्या आईसही त्रास होऊ शकतो. आपल्या सासरच्या आणि आजोळच्या व्यक्तींना अशुभ परिणाम प्राप्त होऊ शकतात. आपण आपल्या रखेलीवर पैसा उधळल्यांनंतर आपण आपले जीवन बरबाद करून घेऊ शकता. आपण एखाद्या दुर्घटनेचे शिकार बनाल. आपण शेखचिल्लीप्रमाणे दिवास्वप्न पाहू शकता.

**आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.**

### दक्षता :

- 1— आपल्या आईच्या वयाच्या स्त्रीयांबरोबर अनैतिक संबंध ठेऊ नये.
- 2— गंगा स्नान करावे नये.

### उपाय :

- 1— घरात गंगा जलाने स्नान करावे.

2- पाण्यात सुकलेली कोथिंबीर प्रवाहीत करावी.

### केतु दशम स्थानी



आपल्या कुंडलीत केतु दशम स्थानी आहे. आपण धनवान असाल आणि सर्व प्रकारच्या सुख सुविधांनी परिपूर्ण असेल. आपले जीवन आनंदी असेल आपणास संततीसुख प्राप्त होईल. आपणास पुत्र संततीपेक्षा कन्या संतती अधिक असेल. आपण खेळाच्या विश्वात प्रसिद्ध बनून नाव कमवू शकता. आपल्या धनाची वृद्धी होईल. आपण संशयी स्वभावाचे असू शकता. आपल्या 40 वर्षापर्यंतचा काळ समिश्र जाईल. यानंतर आपला काळ अधिक शुभ आणि सुखदायी सिद्ध होईल. आपल्या आर्थिक स्थितीवर कशाचा विशेष प्रभाव पडणार नाही. एकंदरीत आपले जीवन सुखमय जाईल.

आपण जर आपल्या भावाबरोबर भांडण केले, परस्त्रीयांशी संबंध ठेवले तर आपला केतु बलहीन होऊ शकतो. काही कारणामुळे आपला केतु बलहीन झाला असेल तर आपले चाल चलन ठीक राहणार नाही. एकतर आपण नपुंसक होऊ शकता किंवा आपणास मुली अधिक असतील किंवा आपणास मुलगा होणार नाही किंवा मूल दत्तक घेण्याची परिस्थिती येऊ शकते. यामुळे आपणास अनेक संकटाचा सामना करावा लागण्याची शक्यता आहे. आपल्या भावामुळे आपली बरबादी होऊ शकते किंवा आपल्या धनाचा दुरुपयोग करू शकतील. परस्त्रीयांशी संबंध ठेवल्याने आपल्या वैवाहिक सुखात बाधा येऊ शकते. हे आपणासाठी घातक ठरू शकेल. आपल्या वयाच्या 48 व्या वर्षाच्या जवळपास आपल्या आईच्या मृत्युनंतर आपणास पुत्र सुख मिळू शकते.

**आपणास जर वरील कष्ट आहेत असे वाटत असेल तर खालील दक्षता बाळगाव्यात आणि उपाययोजना कराव्यात.**

**दक्षता :**

- 1- आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 2- कुत्र्याचा तिरस्कार करू नये.

**उपाय :**

- 1- मधाने भरलेले चांदीचे पात्र आपल्या घरात ठेवावे.
- 2- मधाने भरलेले चांदीचे भांडे आपल्या घरात ठेवावे.

## लाल किताबनुसार ऋण आणि त्यांचे उपाय

### पितृ ऋण

आपल्या कुंडलीत सूर्य लग्नस्थ किंवा एकादशस्थ नसून शुक्र पंचमस्थ आहे. लाल किताबनुसार ही पितृऋणयुक्त कुंडली आहे. दोषपरिहारार्थ लाल किताबमधील निर्दिष्ट उपाय अवश्य करावेत. हे पितृऋण रविशी संबंधित असल्यामुळे रवि ग्रहाकरिता सुचविलेले उपाय करणे हितावह ठरेल.

#### पितृ ऋण सकारण

- 1) कुलपुरोहित बदलण्याची आवश्यकता पडणे.
- 2) घराजवळील धर्मस्थळ उध्वस्त केले जाणे.
- 3) घराजवळील वट/पिंपळ/उंबर यांसारखे पविष वृक्ष तोडणे.

#### पितृ ऋण उपाय

- 1) कुटुंबातील सर्व सदस्यांकडून समभाग रक्कम गोळा करून एखाद्या धार्मिक ठिकाणी दान करावी.
- 2) घरानजीक असलेल्या धार्मिक स्थळी स्वतः जाऊन तेथील साफसफाई करावी.
- 3) घरानजीक असलेल्या वड-पिंपळाच्या पविष वृक्षाची सेवा करावी. अर्थात पाणी घालावे, त्याची निगा राखावी.

### स्वऋण

आपल्या कुंडलीत शुक्र पंचमस्थ असल्यामुळे स्वऋण दोष लागू होत आहे.

#### स्वऋण सकारण

- 1) देव, धर्म, संस्कृति, रुढी-परंपरा यांचा अनादर झाल्यामुळे आपल्या कुंडलीत हा ऋणदोष आलेला आहे.
- 2) घरात तंदूर किंवा भट्टी असून शकते.
- 3) घराच्या छतातून उजेड येण्याजोगे छिद्र छताला असेल.
- 4) हृदय विकाराची लक्षणे जाणवत असतील.

#### स्वऋण उपाय

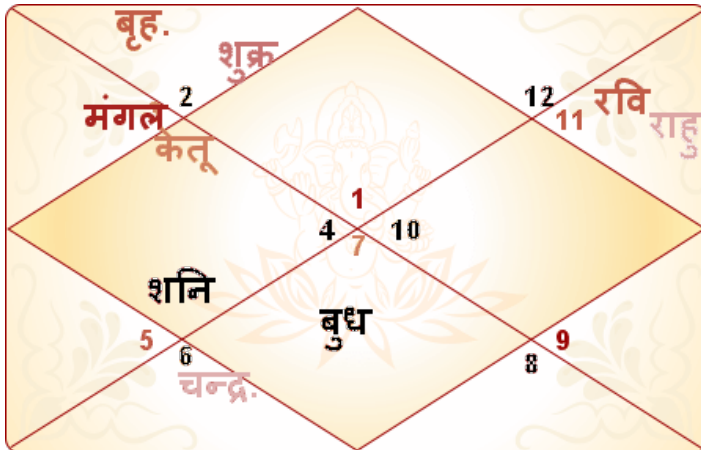
कुटुंबातील सर्व सदस्यांकडून समभाग रक्कम गोळा करून सौरयज्ञ विधी करून घ्यावा.



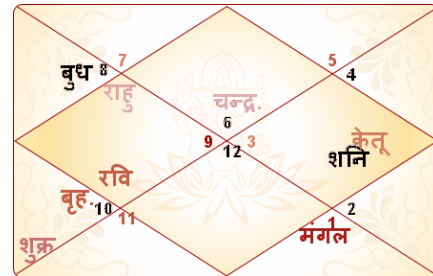
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

18:12:2020--17:12:2021

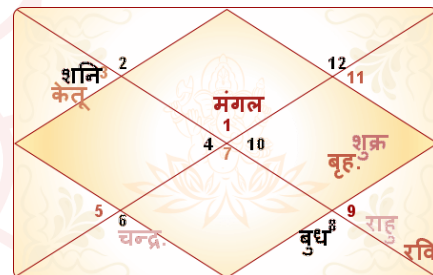
## वर्षफल कुंडलीत(४८)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा० का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 11     | 5      | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | शुभ भावात  |
| चंद्र | 6      | 4      | ग्रह  |          |             | केतु      |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| मंगळ  | 3      | 1, 8   | ग्रह  | हां      |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| बुध   | 7      | 3, 6   | ग्रह  | हां      |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| गुरु  | 2      | 9, 12  | ग्रह  | हां      |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| शुक्र | 2      | 2, 7   | ग्रह  |          |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| शनि   | 4      | 10, 11 | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| राहु  | 11     |        | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| केतु  | 4      |        | ग्रह  |          |             | चंद्र     | हां  | हां   | हां       | ---        |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|-----|-------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1   |             | मंगळ   | रवि        | हां       | रवि         | शनि         | मंगळ           |
| 2   | गुरु, शुक्र | शुक्र  | गुरु       |           | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3   | मंगळ        | बुध    | मंगळ       |           | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4   | शनि, केतु   | चंद्र  | चैप        |           | गुरु        | मंगळ        | चंद्र          |
| 5   |             | रवि    | गुरु       | हां       |             |             | रवि            |
| 6   | चंद्र       | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7   | बुध         | शुक्र  | शुक्र, बुध |           | शनि         |             | शुक्र          |
| 8   |             | मंगळ   | मंगळ, शनि  | हां       |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9   |             | गुरु   | गुरु       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10  |             | शनि    | शनि        |           | मंगळ        | गुरु        | शनि            |
| 11  | रवि, राहु   | शनि    | शनि        |           |             |             | गुरु           |
| 12  |             | गुरु   | गुरु       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ४८

### रवि एकादश भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ रवी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपणास सावध आणि सतर्क राहणे गरजेचे आहे नसता एखादी दुर्घटना घडू शकते. हे वर्ष आपणास आरोग्याच्या दृष्टीने वाईट जाईल. नातेवाईक तुमच्या पैशांचा अपव्यय करतील. आपले स्वास्थ्यही ठीक राहणार नाही. आपले वडिलांबरोबरचे संबंध बिघडतील. बढतीमध्ये विघ्न येतील. सरकारी कामात आपणास नुकसान सोसावे लागेल.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- सलग 43 दिवस वाळूवर बिछाना टाकून झोपावे.
- 2- मांस मच्छीचे सेवन करू नये.
- 3- रात्री झोपताना आपल्या उशीखाली मूळा ठेऊन झोपावे.
- 4- असत्य बोलू नये.

### चंद्र षष्ठी भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ चंद्र शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपणास या वर्षी परदेशी संबंधातून लाभ होतील. शत्रूंचा पराभव होईल. भावंडं आणि मित्रमंडळी आपली मदत करतील.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- आपल्या वडीलांना आपल्या हाताने दूध पाजावे.
- 2- आपली गुपिते इतरांना सांगू नयेत.
- 3- सशे पाळावेत.
- 4- रात्री दूधाचे सेवन करू नये.
- 5- मोफत पाण्याचे दान करू नये.

## मंगळ तृतीय भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत तृतीयस्थ मंगळ शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपणास वडिलोपार्जित संपत्तीच्या वाट्यात काही प्रश्न निर्माण होतील. आई वडिल व भावंडांबरोबर मतभेद होऊ शकतात. आपल्या भावाचे किंवा काकाचे आरोग्य चिंतेचा विषय बनेल. संबंधात आपली बदनामी होऊ शकते. आपले आरोग्यही त्यामुळे बिघडू शकते. रोखीचे व्यवहार लिखित स्वरूपात करणे हितावह ठरेल. आपणास रक्त संबंधित विकार होण्याची शक्यता आहे.

वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्या बोटात हस्तीदंतापासून बनविलेला छल्ला घालावा.
- 2— आपल्या रागावर नियंत्रण ठेवावे.
- 3— आपल्या भावांना मदत करावी.
- 4— खाण्या पिण्यावर विशेष लक्ष द्यावे अन्यथा पोटासंबंधी विकार होऊ शकतो.
- 5— हस्तीदंतापासून बनविलेल्या वस्तु आपल्या घरात ठेऊ नयेत.

## बुध सप्तम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ बुध शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास क्रोधावर नियंत्रण ठेवणे गरजेचे आहे. नसता अनुचित वर्तणुकीमुळे आपला मान सन्मान कमी होईल. आपण भागीदारीत व्यवसाय करीत असाल तर आपणास तोटा होण्याची शक्यता आहे. आपला भाऊ किंवा जोडीदाराच्या आरोग्यावरही अनिष्ट परिणाम होऊ शकतात.

वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— कोणत्याही कार्यास सुरुवात करण्यापूर्वी गोड खावे.
- 2— अंगठीमध्ये हीरा जडवून घातल्यास लाभदायक ठरेल.
- 3— आपल्या घरात हिरवे गवत लावावे.

## गुरु द्वितीय भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वितीयस्थ गुरु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपल्या वडिलांना सोन्याचांदीच्या व्यापारात नुकसान होईल. ज्या व्यवसायास कमी गुंतवणूक लागेल तो व्यवसाय करावा. या वर्षी वडिलोपार्जित संपत्तीच्या वाट्यात नुकसान होईल. रागावर नियंत्रण ठेवले पाहिजे.

### वर्षफलातील गुरु चे उपाय

गुरुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— घराच्या समोरील खड्डे मातीने भरावेत.
- 2— सोन्या चांदीच्या संबंधी व्यवसाय करू नये.
- 3— हळदीचा किंवा केशराचा टिळा लावावा.
- 4— आपल्या घराचा एक भाग न बनवता अर्धवट तसाच ठेवावा.
- 5— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 6— नवीन लग्न झालेल्या मुलीस मिठाई द्यावी.

## शुक्र द्वितीय भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वितीयस्थ शुक्र शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपण अपार कष्टाने यश प्राप्त कराल. प्रेम संबंधातील धोक्यामुळे आपण संपूर्ण वर्षभर अशा संबंधापासून दूरच रहाल. जर आपण विवाहित असाल तर जोडीदाराचे सहकार्य लाभेल. आपली धार्मिक वृत्ती वृद्धीगत होईल. जर आपण अविवाहित असाल तर आपला विवाह जमण्याची शक्यता आहे.

### वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— बटाटे आणि दह्याचे दान करावे.
- 2— जनावरांचा तिरस्कार करू नये.
- 3— कपिला गाईची सेवा करावी.

## शनि चतुर्थ भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चतुर्थस्थ शनी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपण मासे



सेवन करण्यापासून आणि मद्यपानापासून दूर राहणे गरजेचे आहे. आपणास हृदयाविकाराला तोंड द्यावे लागेल. वडिलांबरोबरच्या संबंधात कटूता येण्याची शक्यता आहे. आईचे आरोग्यही चिंतेचा विषय ठरेल. आपले राजकारणातील प्रयत्नही अयशस्वी ठरतील.

#### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— विहीरीत दूध टाकावे.
- 2— आपल्या भोजनातील एक हिस्सा माश्यांना, कावळ्यांना किंवा म्हशींना खाण्यास द्यावा.
- 3— यावर्षी काळे कपडे घालू नये.
- 4— हिरव्या रंगापासून दूर रहावे.
- 5— 4 पेग मद्य पाण्यात प्रवाहीत करावे.

#### राहु एकादश भावे

##### आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ राहु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपले वडिलांशी वैचारिक मतभेद होण्याची शक्यता आहे व त्यांचे आरोग्य चिंताजनक असेल. आपणास वाद विवादापासून दूर राहिले पाहीजे नसता आपण जखमी होऊ शकता. या वर्षी आपणासाठी लाल व निळा कपडा वापरणे अशुभ ठरू शकते.

#### वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— नीलम किंवा निळ्या रंगाचे कोणतेही रत्न यावर्षी धारण करू नये किंवा आपल्याजवळ ठेऊ नये.
- 2— घरात वीजेची खराब उपकरणे ठेऊ नये.
- 3— डोक्यावर शेंडी ठेवावी किंवा सफेद टोपीने डोके झाकावे.

#### केतु चतुर्थ भावे

##### आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चतुर्थस्थ केतू शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपल्या आईचे आरोग्य ठीक राहणार नाही त्यामुळे आपणास काळजी वाटेल. आपणास खाण्या पिण्यावर विशेष लक्ष द्यावे नसता आपणास मधुमेहा सारखा आजार होण्याची शक्यता आहे. या वर्षी आपला कुल पुरोहितांशी संबंध चांगले

ढेवावेत. कुष्यांपासून सावध राहावे.

### वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

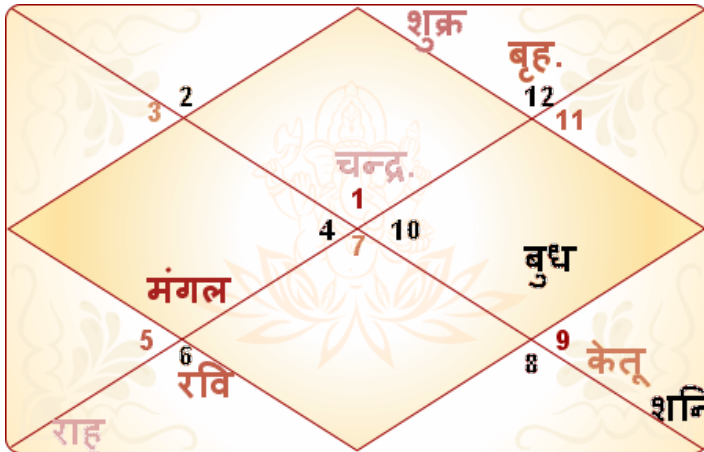
- 1— एखाद्या धार्मिक स्थळी हळद, केशर किंवा चण्याची डाळ दान करावी.
- 2— कुत्र्यास मारु नये.
- 3— कुल पुरोहीतांची सेवा करावी.



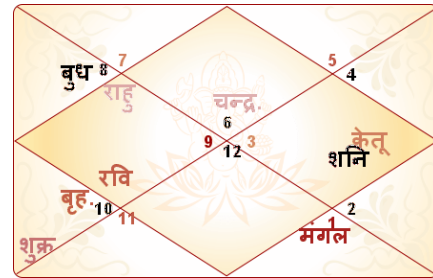
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

18:12:2021--17:12:2022

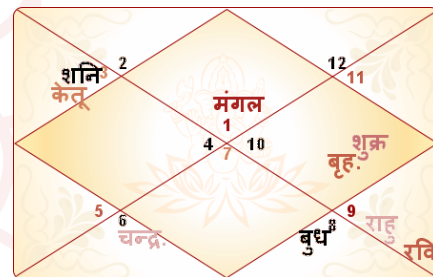
## वर्षफल कुंडलीत(४९)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा० का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 6      | 5      | राशी  |          |             |           |      |       |           | अशुभ भावात |
| चंद्र | 1      | 4      | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| मंगळ  | 4      | 1, 8   | ग्रह  |          |             |           |      |       |           | अशुभ भावात |
| बुध   | 10     | 3, 6   | ग्रह  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| गुरू  | 12     | 9, 12  | ग्रह  |          |             |           |      |       | हां       | शुभ भावात  |
| शुक्र | 12     | 2, 7   | ग्रह  |          |             |           |      |       | हां       | शुभ भावात  |
| शनि   | 9      | 10, 11 | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| राहु  | 6      |        | ग्रह  |          | हां         |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| केतु  | 9      |        | ग्रह  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|-----|-------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1   | चंद्र       | मंगळ   | रवि        |           | रवि         | शनि         | मंगळ           |
| 2   |             | शुक्र  | गुरू       | हां       | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3   |             | बुध    | मंगळ       | हां       | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4   | मंगळ        | चंद्र  | चैप        |           | गुरू        | मंगळ        | चंद्र          |
| 5   |             | रवि    | गुरू       | हां       |             |             | रवि            |
| 6   | रवि, राहु   | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7   |             | शुक्र  | शुक्र, बुध |           | शनि         |             | शुक्र          |
| 8   |             | मंगळ   | मंगळ, शनि  | हां       |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9   | शनि, केतु   | गुरू   | गुरू       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10  | बुध         | शनि    | शनि        |           | मंगळ        | गुरू        | शनि            |
| 11  |             | शनि    | शनि        | हां       |             |             | गुरू           |
| 12  | गुरू, शुक्र | गुरू   | गुरू       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ४३

### रवि षष्ठी भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ रवी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ठ आहे. लाल किताब नुसार आपले आरोग्य चिंतेचा विषय बनेल. आपणास रक्तदाबाचे विकार होऊ शकतात. धार्मिक कार्यात विघ्न येतील. प्रवासात नुकसान होण्याची शक्यता आहे. यावषी वडिलांची प्रकृती चांगली नसेल त्यामुळे तुम्ही चिंतीत व्हाल. आपले वरिष्ठ आपणास अकारण त्रास देतील.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- आपल्या घरात चांदीच्या भांड्यात गंगाजळ ठेवावे.
- 2- आपल्या आईची सेवा करावी.
- 3- एखाद्या धार्मिक स्थळी केलेल्या दानातील वस्तु आपल्या घरी घेऊन यावी.

### चंद्र प्रथम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत लग्नस्थ चंद्र शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ठ आहे. लाल किताब नुसार आपण आळशी व कामचुकार प्रवृत्तीचे झाल्याने आपली कार्ये अपूर्ण राहतील. आपल्या मनात निराशा येऊन आपण वैफल्यग्रस्त होण्याची शक्यता आहे. आपल्यापेक्षा निम्न अधिकारावर असलेल्या स्त्रियांशी अनैतिक संबंध प्रस्थापित होऊ शकतात. आपली पत्नी किंवा भगीनीचे आरोग्य चिंताजनक होऊ शकते. संपूर्ण वर्षभर आपणास सर्दीचा त्रास होईल. जमिनीच्या वादविवादात आपणास त्रास संभवतो.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1- दूध आणि दूधापासून बनलेल्या वस्तुंचा व्यवसाय करू नये.
- 2- आपल्या आईची सेवा करावी.
- 3- चांदीच्या भांड्यांचा वापर करावा.
- 4- नदी ओलांडताना त्यात पैसा टाकावा.



## मंगळ चतुर्थ भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चतुर्थस्थ मंगळ शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपल्या प्रतिष्ठेत व अर्थिक स्थितीमध्ये विशेष वृद्धी होईल. कौटुंबिक आणि मानसिक सुख प्राप्त होईल. आपला उत्साह द्विगुणित होईल. आपणास मातेकडून किंवा आजीकडून धनप्राप्ती होईल. या वर्षी आपल्या घरी पाहुण्यांची वर्दळ राहील.

वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपण साखर आणि मधाच्या व्यवसायापासून दूर रहावे.
- 2— आपल्याजवळ चांदीचा एक चौकोनी तुकडा ठेवावा.
- 3— साखरेची रिकामी पोते आपल्या छतावर ठेवावीत.
- 4— दक्षिणमुखी घरात निवास करू नये.
- 5— सकाळी उठल्याबरोबर आपले दात स्वच्छ पाण्याने धुवावेत.
- 6— आपल्या आईची सेवा करावी.

## बुध दशम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत दशमस्थ बुध शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास विदेशी स्रोतापासून लाभ हातील. आपणास नोकरी / व्यवसायात अडचणी येतील परंतु आपण समर्थपणे त्यावर मात कराल. आपली बहीण, आत्या किंवा मुलीकडून शुभ वार्ता समजेल. अध्यात्म आणि ज्योतिष संबंधी विषयात आपणांस आवड निर्माण होईल.

वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्या घरात तुळस, मनी प्लांट इत्यादि रुंद पानांचे रोपे लावू नयेत.
- 2— मांस, मद्य इत्यादिच्या सेवनापासून दूर रहावे.
- 3— सुकलेले नारळ मंदिरात अर्पण करावे.
- 4— उरलेले अन्न माश्यांना घालावे.
- 5— कामगारांची सेवा आणि मदत करावी.

## गुरू द्वादश भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वादशस्थ गुरु शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपण धार्मिक कार्यात खर्च कराल आणि संपूर्ण वर्षभर धार्मिक वृत्तीचे बनाल. धनासंबंधी आपण अधिक विचार करणार नाही. आपण दिलेला आशिर्वादाचे फळ मिळेल. धर्म, योग इत्यादि विषयात संपूर्ण वर्षभर आपले मन रमेल.

### वर्षफलातील गुरु चे उपाय

गुरुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— पिंपळाच्या वृक्षाची सेवा करावी.
- 2— केशराचा टिळा लावावा.
- 3— इतरांना धोका देऊ नये.
- 4— गळ्यात माळ इत्यादि घालू नये.
- 5— आपले नाक स्वच्छ ठेवावे.
- 6— साधु संतांची आणि वयस्कर व्यक्तींची सेवा करावी.

## शुक्र द्वादश भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वादशस्थ शुक्र शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपण वर्तणूक चांगली ठेवली पाहीजे, परस्त्रीगमनापासून तर दूरच राहीले पाहीजे नसता त्याचा आपल्या जोडीदाराच्या आरोग्यावर विपरीत परिणाम होईल. त्यामुळे वैवाहिक जीवनात कटूता येण्याची शक्यता आहे. आपले मित्र किंवा नातेवाईक आपल्या विरुद्ध चुकीच्या अफवा पसरवतील. या वर्षी आपणास धार्मिक कार्यातही आवड राहणार नाही.

### वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— निळ्या रंगाचे फूल आपल्या पत्नीच्या हातून जमीनीत गाडावे.
- 2— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 3— आपल्या पत्नीची देखभाल करावी.
- 4— तूपाचे दिवे लावावेत.
- 5— वासरासहित गाईचे दान करावे.

## शनि नवम भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत नवमस्थ शनी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास सद्दा, लॉटरी किंवा अंदाजपंचे उद्योगात पैसा गुंतविणे जोखमीचे ठरेल. लोखंड, तेल, यंत्र इत्यादिच्या व्यवसायात आपले नुकसान होण्याची शक्यता आहे. आपण धार्मिक कार्यात रस घ्याल.

#### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्या घराच्या छतावर इंधन ठेऊ नये.
- 2— सलग नऊ दिवस गंगा स्नान करावे.
- 3— इतरांच्या स्थावर संपत्तीवर वाईट नजर ठेऊ नये.
- 4— कपाळावर केशराचा टिळा लावावा.

### राहु षष्ठी भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ राहु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास अकारण भांडणतंट्यापासून दूर राहीले पाहीजे. आपण कोणतेही हत्यार जवळ बाळगू नये. जर आपण काका किंवा मामाबरोबर वाद घालाल तर आपले आर्थिक नुकसान होईल. वाहन चालविताना आपणास सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे. पैशाचा व्यवहार कागदोपत्री करावा नसता दगा होण्याची शक्यता आहे. वाईट लोकांच्या संगतीपासून आपण दूर राहीले पाहीजे.

#### वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— काळा कुत्रा पाळावा.
- 2— आपल्या भाऊबंधाबरोबर भांडण करू नये.
- 3— काचेच्या सहा गोळ्या आपल्याजवळ ठेवाव्यात.
- 4— काळ्या काचेचा गोल तुकडा आपल्याजवळ ठेवावा.

### केतु नवम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

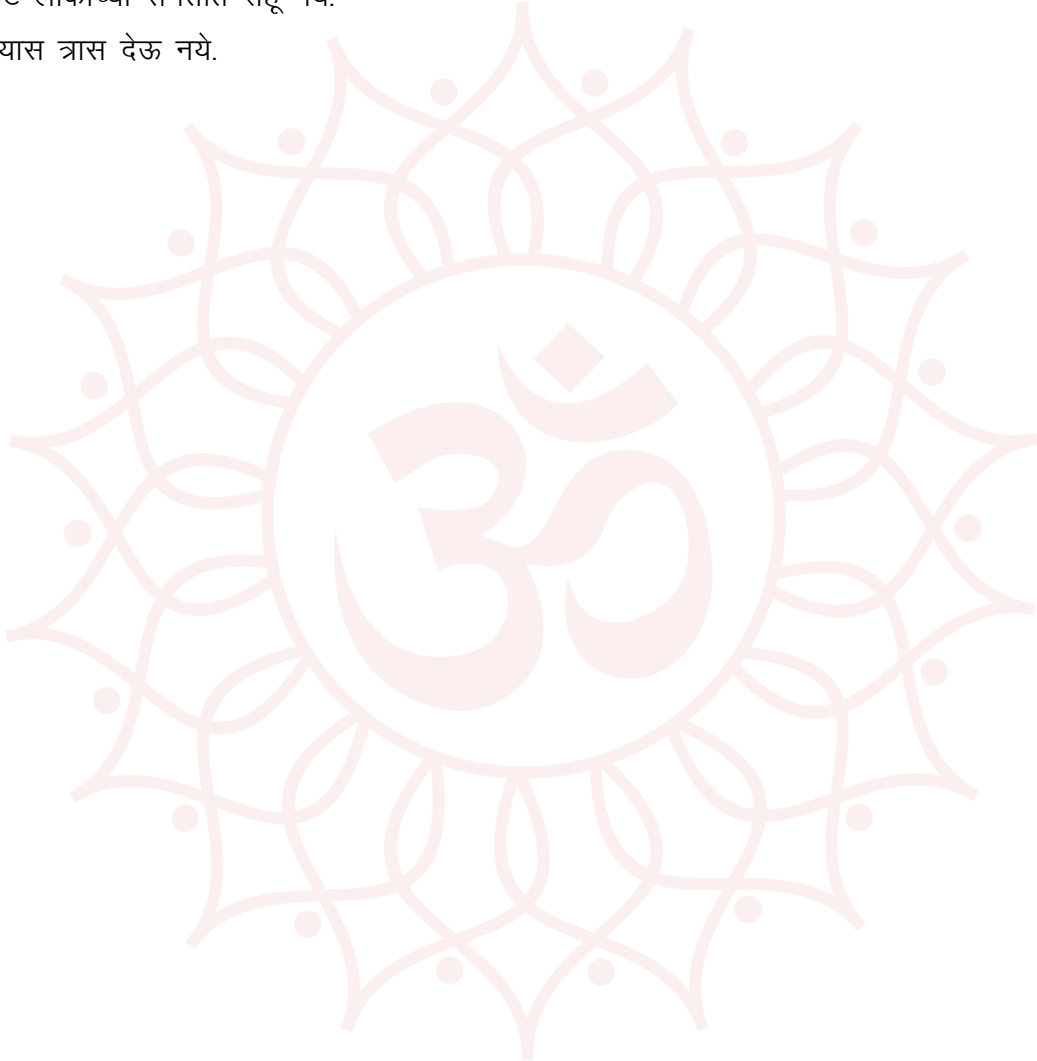
आपल्या वर्षफल कुंडलीत नवमस्थ केतू शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी केलेला प्रवास अधिक लाभदायक ठरणार नाही. जर आपण आपली वर्तणूक चांगली ठेवली नाही तर संततीस कष्ट पडतील.

आपली एखाद्या दूरच्या स्थानी बदली होण्याची शक्यता आहे. आपणास जर बढती मिळणार असेल तर त्यात अडचणी येतील. इस्टेटीच्या संदर्भातही आपणास चिंता वाटेल.

#### वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— कानात सोने घालावे.
- 2— सोन्याची वीट (21 ग्रॅम) आपल्या घरात ठेवावी.
- 3— वाईट लोकांच्या संगतीत राहू नये.
- 4— कुत्र्यास त्रास देऊ नये.

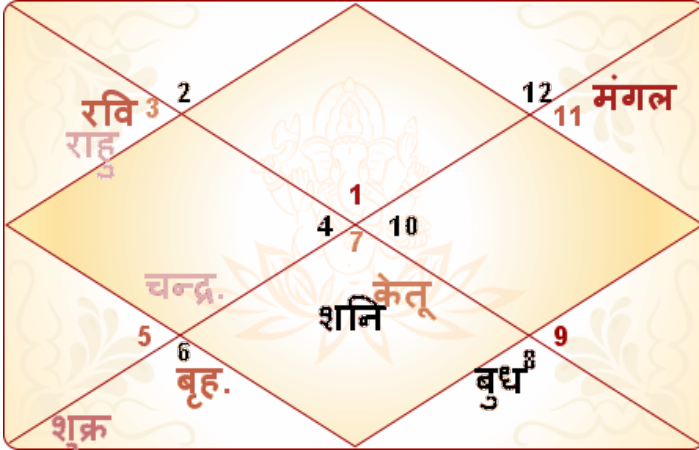




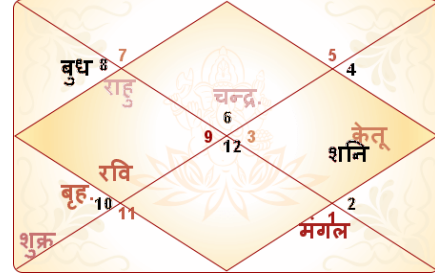
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

18:12:2022--17:12:2023

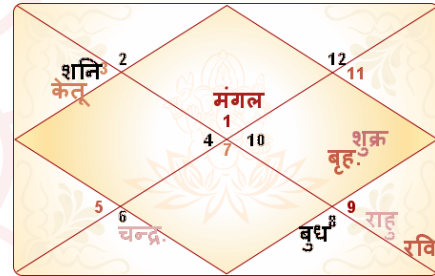
## वर्षफल कुंडलीत(१०)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावश   | प्रभव | पक्के घर | भा० का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 3      | 5      | राशी  |          |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| चंद्र | 4      | 4      | ग्रह  | हां      | हां         |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| मंगळ  | 11     | 1, 8   | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| बुध   | 8      | 3, 6   | राशी  |          |             | शनि       |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| गुरू  | 6      | 9, 12  | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| शुक्र | 6      | 2, 7   | ग्रह  |          |             | केतु      |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| शनि   | 7      | 10, 11 | ग्रह  |          |             | बुध       | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| राहु  | 3      |        | ग्रह  |          |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| केतु  | 7      |        | ग्रह  |          |             | शुक्र     |      |       | हां       | अशुभ भावात |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|-----|-------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1   |             | मंगळ   | रवि        | हां       | रवि         | शनि         | मंगळ           |
| 2   |             | शुक्र  | गुरू       |           | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3   | रवि, राहु   | बुध    | मंगळ       |           | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4   | चंद्र       | चंद्र  | चैप        |           | गुरू        | मंगळ        | चंद्र          |
| 5   |             | रवि    | गुरू       | हां       |             |             | रवि            |
| 6   | गुरू, शुक्र | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7   | शनि, केतु   | शुक्र  | शुक्र, बुध |           | शनि         |             | शुक्र          |
| 8   | बुध         | मंगळ   | मंगळ, शनि  |           |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9   |             | गुरू   | गुरू       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10  |             | शनि    | शनि        |           | मंगळ        | गुरू        | शनि            |
| 11  | मंगळ        | शनि    | शनि        |           |             |             | गुरू           |
| 12  |             | गुरू   | गुरू       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ५०

### रवि तृतीय भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

वर्षफल कुंडलीत तृतीयस्थ रवी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताबनुसार आपल्यावर आरोप केले जातील. त्यामुळे आपण कोर्ट कचेरीच्या वादात पडू शकता. नोकरी / व्यवसायातही प्रतिकूल परिस्थिती निर्माण होईल व आपली मानसिक शांती नष्ट होईल. फसवणूक, चोरीसारख्या घटनाही होऊ शकतात. निकटवर्तीयांशी वादविवाद संभवतात. परस्त्रीशी सलग्नी बदनामीला कारणीभूत ठरू शकते.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— 50 ग्रॅम जवस लाल कपड्यात बांधून आपल्या घरात अंधार असलेल्या खोलीत ठेवावे.
- 2— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 3— सर्वांच्या हिताचा विचार करावा.

### चंद्र चतुर्थ भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चतुर्थस्थ चंद्र शत्रू ग्रहयुक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपणास या वर्षी खोल पाण्यापासून जपले पाहिजे. आपल्या मातेचे आरोग्य ठीक राहणार नाही. कोणत्याही प्रकारच्या नशेपासून दूर राहणे आवश्यक आहे. इतरांच्या भानगडीत लक्ष घालू नये.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्या आईला आपल्या कमाईतला हिस्सा द्यावा.
- 2— यावर्षी कोणतेही नवीन कार्य सुरु करण्यापूर्वी आपल्या घरात दूधाने भरलेले मातीचे भांडे ठेवावे. दूध आणि दूधापासून बनविलेल्या पदार्थाचा व्यवसाय करू नये.
- 3— वयस्कर महिलांचा आशीर्वाद घ्यावा.
- 4— दूध उतु जाऊ देऊ नये.
- 5— दान देण्याचे पुण्य करीत रहावे.

## मंगळ एकादश भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ मंगळ शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपल्या भावांबरोबर भांडण—तंटे किंवा मतभेद होतील. आपले लोकच आपले शत्रू बनतील. आपण संसारी भोग व वासनेच्या आहारी जाल. आपली संतती आपल्या धनाचे नुकसान करतील. धन संपत्तीच्या वादावरून कुटुंबातील व्यक्तींबरोबर आपले मतभेद होतील.

वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मातीच्या भांड्यात मध किंवा कुंकु भरून ठेवावे.
- 2— आपली पूर्वजांची संपत्ती विकू नये.
- 3— आपल्या पुत्राच्या वाढदिवसाच्या दिवशी आपल्या मेहूण्याला आणि भाच्याला भेटवस्तु द्यावी.
- 4— आपल्या बहिणीची आणि भाऊजींची सेवा करावी.

## बुध अष्टम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत अष्टमस्थ बुध शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपले शत्रू वरचढ ठरतील. आपले कौटुंबिक जीवन फारसे सुखावह नसेल. या वर्षी आपणास भिन्नलिंगी व्यक्तींबरोबर संबंध प्रस्थापित करण्यापासून दूर राहीले पाहीजे नसता आपल्या जीवनात वादळ येऊ शकते.

वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्या घराच्या छतावर पावसाचे पाणी जमा करावे.
- 2— नितंबावर काळा सूरमा लावावा.
- 3— घरातील पूजास्थान बदलू नये.
- 4— भांड्यात मध घालून निर्जन स्थळी गाडावे.
- 5— तांब्याच्या भांड्यात हिरवे मूग भरून पाण्यात प्रवाहीत करावेत.

## गुरू षष्ठी भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरू ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ गुरु शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपणास या वर्षी धार्मिक कार्यात अधिक रस असेल. आपली आर्थिक स्थितीही उत्तम राहिल. या वर्षी आपली परोपकारी वृत्ती वृद्धिंगत होईल. आपले आजोळचे वातावरणही समाधानाचे राहिल. या वर्षी आपली बहुतांशी कामे विनासायास व निर्विघ्नपणे पार पडतील.

#### वर्षफलातील गुरु चे उपाय

गुरुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— चण्याची डाळ एखाद्या धार्मिक स्थळी दान करावी.
- 2— यावर्षी आपल्या कुल पुरोहीताला किंवा कोणत्याही मंदिराच्या पुजारीला वस्त्र दान करावेत.
- 3— कोंबड्यांना धान्य टाकावे.
- 4— कोणतेही दान किंवा कोणतीही वस्तु मोफत घेऊ नये.

### शुक्र षष्ठी भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ शुक्र शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ठ आहे. लाल किताब नुसार आपले जोडीदाराबरोबरचे संबंध कटु असतील व जोडीदाराला पाय किंवा टाचेचे दुखणे असेल. आपल्या जोडीदाराला गुप्त रोग होण्याचीही शक्यता आहे. स्त्री बरोबर वाद विवादामुळे आपले आर्थिक नुकसान होईल. या वर्षी प्रेम संबंधात मित्राकडून विश्वासघात होण्याची शक्यता आहे.

#### वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोजना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्या पत्नीस अनवानी पावलांनी चालू देऊ नये.
- 2— स्त्रीयांचा आदर करावा.
- 3— भरीव चांदी आपल्याजवळ ठेवावी.

### शनि सप्तम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ शनी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ठ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी जोडीदाराची अस्वस्थता आणि वैचारिक मतभेदामुळे आपले वैवाहिक जीवन अशांत बनेल. आपण आपल्या भागीदारावर संशय घेऊ नये. तसे केले तर आपले त्यांच्याबरोबरचे संबंध बिघडू शकतात. चिकित्सा व रसायन संबंधी व्यवसायात नुकसान होण्याची शक्यता आहे. क्रोधाची भावनाही या वर्षी जास्त असेल. सावधगिरी म्हणून आपण कोणतेही



हत्यार जवळ बाळगू नये. कुसंगती टाळा. नसता आपणास ते जड जाईल.

#### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मातीच्या भांड्यात मध ठेऊन निर्जन स्थळी गाडावे.
- 2— वाईट लोकांची संगत करू नये.
- 3— डॉक्टर आणि केमिस्ट यांच्या संगतीपासून दूर रहावे.
- 4— काळ्या गाईची सेवा करावी.

### राहु तृतीय भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत तृतीयस्थ राहु शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपणास हे वर्ष आर्थिक बाबतीत भाग्यकारक असेल. नोकरी/व्यवसायात प्रगती होईल आणि आपले शत्रू दबून राहतील. भविष्यात घडणा-या घटनांची आपणास पूर्व कल्पना येईल. आपल्या लेखनास तलवारीप्रमाणे धार असेल. सद्दा, लॉटरी इत्यादिपासून आपणास आकस्मित धनप्राप्ती होईल. संततीकडून काही प्रमाणात चिंता निर्माण होतील. वर्षाच्या शेवटी भाग्योदया संबंधी काही विशेष घटना घडतील.

#### वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— हस्तीदंत किंवा त्यापासून बनविलेल्या वस्तुंचा व्यवसाय करू नये.
- 2— हत्तीची खेळणी घरात ठेऊ नये.
- 3— चांदीच्या डब्बीत तांदूळ भरुन आपल्या घरात ठेवावे.

### केतु सप्तम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत सप्तमस्थ केतू शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपली धन संपत्ती आणि प्रतिष्ठेमध्ये अभूतपूर्व वृद्धी होईल. कौटुंबिक आणि मानसिक स्थिती ठीक राहील. आपली संतती आपली मदत करेल. तिर्थयात्रा करण्याची संधी येईल. दूरदर्शन, संगणक इत्यादिंच्या व्यवसायात लाभ होईल. सामाजिक मान सन्मानात वृद्धी होईल.

#### वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

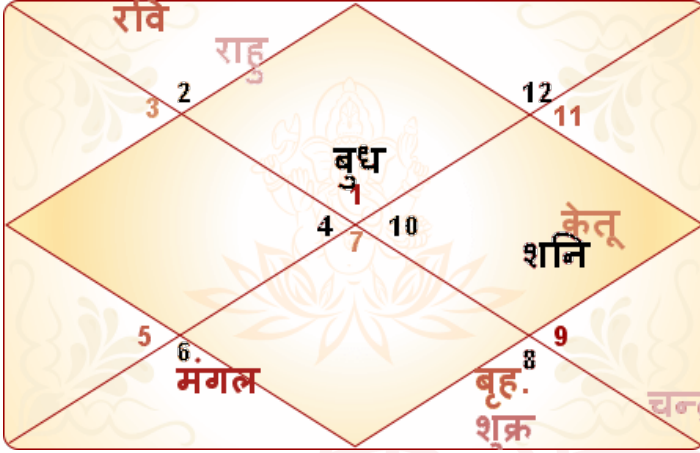
- 1— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 2— 4 केळे 4 दिवस वाहत्या पाण्यात प्रवाहीत करावे.
- 3— 4 लिंबू 4 दिवस पाण्यात प्रवाहीत करावेत.



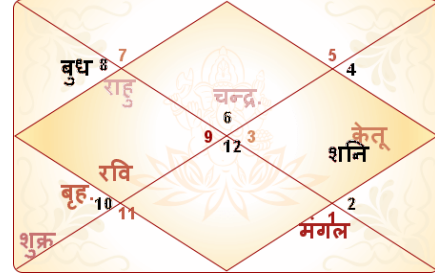
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

18:12:2023--17:12:2024

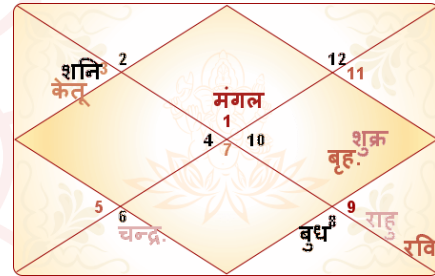
## वर्षफल कुंडलीत(११)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा० का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 2      | 5      | राशी  |          |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| चंद्र | 9      | 4      | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| मंगल  | 6      | 1, 8   | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | ---        |
| बुध   | 1      | 3, 6   | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| गुरू  | 8      | 9, 12  | राशी  |          |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| शुक्र | 8      | 2, 7   | राशी  |          |             |           | हां  |       |           | ---        |
| शनि   | 10     | 10, 11 | ग्रह  | हां      | हां         |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| राहु  | 2      |        | राशी  |          |             |           |      |       |           | अशुभ भावात |
| केतु  | 10     |        | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह | स्वामी | पक्के घर   | निद्रिस्त | उच्च        | नीच         | नशीब जागविणारा |
|-----|-------------|--------|------------|-----------|-------------|-------------|----------------|
| 1   | बुध         | मंगल   | रवि        |           | रवि         | शनि         | मंगल           |
| 2   | रवि, राहु   | शुक्र  | गुरू       |           | चंद्र       |             | चंद्र          |
| 3   |             | बुध    | मंगल       | हां       | राहु        | केतु        | बुध            |
| 4   |             | चंद्र  | चैप        | हां       | गुरू        | मंगल        | चंद्र          |
| 5   |             | रवि    | गुरू       | हां       |             |             | रवि            |
| 6   | मंगल        | बुध    | बुध, केतु  |           | बुध, राहु   | शुक्र, केतु | केतु           |
| 7   |             | शुक्र  | शुक्र, बुध |           | शनि         |             | शुक्र          |
| 8   | गुरू, शुक्र | मंगल   | मंगल, शनि  |           |             | चंद्र       | चंद्र          |
| 9   | चंद्र       | गुरू   | गुरू       |           | केतु        | राहु        | शनि            |
| 10  | शनि, केतु   | शनि    | शनि        |           | मंगल        | गुरू        | शनि            |
| 11  |             | शनि    | शनि        | हां       |             |             | गुरू           |
| 12  |             | गुरू   | गुरू       |           | शुक्र, केतु | बुध, राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ५१

### रवि द्वितीय भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वितीयस्थ रवी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपण निरोपयोगी कामात आपली संपत्ती खर्च कराल. जर आपण जमिनीच्या संदर्भात वादात अडकलेले असाल तर त्यात आपण जिंकणार नाही. आर्थिक दृष्ट्याही हे वर्ष चांगले असणार नाही. आपल्या भावजायीच्या आरोग्यासंबंधी चिंता जाणवेल. यावर्षी आपणास नेत्र किंवा हृदयविकार होण्याची शक्यता आहे. आपले वरिष्ठांबरोबरचे संबंध बिघडतील आपणास सतर्क राहणे आवश्यक आहे.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मोफत वस्तु घेऊ नये.
- 2— इतरांच्या धनावर वाईट नजर ठेऊ नये.
- 3— धार्मिक स्थळी बदाम, नारळ आणि मोहरीचे तेल दान करावे.

### चंद्र नवम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत नवमस्थ चंद्र शुभ आहे. या वर्षी आपण दूरवरच्या धार्मिक यात्रा कराल, धार्मिक कार्यात आपण रस घ्याल. अध्यात्म आणि तंत्र मंत्रातही आपली रुची असू शकते. भावंडांबरोबर आपले संबंध उत्तम राहतील. आपले आरोग्य ठीक राहील.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— तीर्थयात्रा करावी.
- 2— माश्यांना तांदूळ खाण्यास द्यावे.
- 3— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.

### मंगळ षष्ठी भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह अशुभ स्थिती आहे



आपल्या वर्षफल कुंडलीत षष्ठस्थ मंगळ शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ठ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपले खर्चाचे प्रमाण वृद्धीणार आहे. त्यामुळे कर्ज घ्यावे लागेल. अनपेक्षित अतिथींमुळे त्रस्त व्हाल. भावंडांसोबत वादविवाद संभवतात. व्यर्थ प्रवासाने आपले मन अशांत होईल. दुःखी गीतांचे गायन, श्रवण टाळावे. शक्यतो आनंदी वातावरणात राहावे.

#### वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— लिंबोणीचे झाड लावावे.
- 2— रात्री डोक्याजवळ पाणी ठेवावे व सकाळी ते एखाद्या झाडाच्या बुंध्याला घालावे.
- 3— पितरांचे श्राध्द करावे.
- 4— आपल्या घरी 8 मन धान्य नेहमी ठेवावे.

### बुध प्रथम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत लग्नस्थ बुध शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ठ आहे. लाल किताब नुसार आपणास व्यसनांपासून दूर राहीले पाहीजे. त्याचा आरोग्यावर विपरीत परिणाम होऊ शकतो. परदेशी प्रवासात आपले नुकसान होऊ शकते. कोणत्याही वादविवादापासून आपण दूर राहीले पाहीजे. जोडीदारासोबतचे सर्व मतभेद विसरून सलोख्याने वागावे. तसेच खाण्यापिण्याचीही काळजी घेणे आवश्यक आहे. नसता पोटाचे विकार होण्याची शक्यता आहे. तांत्रिक कार्यात आपला विशेष ओढा राहील. प्रत्येक कार्य विचारपूर्वक तसेच सर्वसंमतीने करावे लागेल. नसता आपण एकाकी पडाल.

#### वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मांस, मद्याचे सेवन करू नये.
- 2— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 3— मासेमारी करू नये.
- 4— हिरव्या कपडे वापरण्याचे टाळावे.
- 5— यावर्षी अंड्याचे सेवन करू नये.
- 6— अतिथिंचा सत्कार करावा.

### गुरू अष्टम भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत अष्टमस्थ गुरु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार परीवारातील वयस्कर व्यक्तींच्या आरोग्याची काळजी वाटेल. या वर्षी आपण खोट्या अफवांनी त्रस्त व्हाल. आपणास मूत्रसंबंधी विकार होण्याची शक्यता आहे. या वर्षी आपणास आळस पूर्णपणे सोडून द्यावा लागेल नसता आपली कामे रखडतील.

### वर्षफलातील गुरु चे उपाय

गुरुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— सोने धारण करावे.
- 2— एखाद्या धार्मिक स्थळी तूप, दही, बटाटे, कापूर इत्यादि दान करावे.
- 3— साधु संतांना आपल्या घरुन रिकाम्या हाताने जाऊ देऊ नये.

## शुक्र अष्टम भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत अष्टमस्थ शुक्र शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपणास या वर्षी परदेशस्थ संबंधामुळे लाभ होण्याची शक्यता आहे. अकारण भांडणांपासून आपण दूर रहाल. खटल्यात आपण जिंकाल. नवीन योजनांच्या यशस्वीतेत आपल्या जोडीदाराचे महत्त्वपूर्ण सहकार्य लाभेल. आपण जोडीदाराने दिलेला सल्ला मोलाचा ठरेल. एखाद्या धनवान, वयस्कर किंवा नातेवाईकाच्या मृत्युनंतर आपणास धनप्राप्ती होईल.

### वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— धार्मिक कार्यात उत्साहाने हिस्सा घ्यावा.
- 2— घाणेरड्या नाल्यात तांब्याचा पैसा टाकावा.
- 3— कोणतेहे सामान मोफत घेऊ नये.
- 4— सफेद रंग नसलेली वासरासहित गाय दान करावी.

## शनि दशम भावे

### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत दशमस्थ शनी शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास परदेश प्रवासाचा योग येईल. सरकारी कर्मचारी किंवा सरकारकडून आपणास लाभ होण्याची शक्यता आहे. या वर्षी आपणास दहावा महिना आणि प्रत्येक महिन्याची दहा तारीख आपणासाठी शुभ ठरेल. धार्मिक कार्यातही आपणास आवड निर्माण

होईल. जर आपण बैठे काम करणे आपणास ते लाभदायी ठरेल.

#### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मद्य आणि मासे यांचे सेवन करु नये.
- 2— कोणत्याही प्रकारचे हत्यार आपल्याजवळ ठेऊ नये.
- 3— धावपळीचे काम करु नये.

### राहु द्वितीय भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वितीयस्थ राहु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणास जुगार, लॉटरी आणि शेअर्स इत्यादिपासून धनहानी होण्याची शक्यता आहे. सासरच्या लोकांबरोबर संबंध चांगले ठेवावेत. एखाद्या धार्मिक स्थळी आपल्यावर चोरीचा आरोप लावून फसगतीची शक्यता आहे. दान किंवा मोफत कोणाकडून काहीही घेऊ नये. व्यवहार संयमपूर्वक करावा.

#### वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— गळ्यात चांदीची गोळी धारण करावी.
- 2— एखाद्या धार्मिक स्थळी वास्तव्य करु नये.
- 3— केशर किंवा हळदीचे सेवन करावे.

### केतु दशम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत दशमस्थ केतू शुभ आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपल्या धन संपत्ती मध्ये आणि मान प्रतिष्ठेमध्ये चार पटीने वृद्धी होईल. आरामदायी साधनांमध्ये वृद्धी होईल. आपण जे कार्य हाती घ्याल ते जरूर पूर्ण कराल. समाजात आपली पत वाढेल परंतु आपला स्वभाव शंकेखोर होईल. आपल्या आईचे आरोग्य ठीक राहणार नाही. आपणास तिची देखभाल केली पाहिजे.

#### वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— घरात चांदीच्या भांड्यात मध भरुन ठेवावा.
- 2— कुत्र्यास त्रास देऊ नये.
- 3— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.

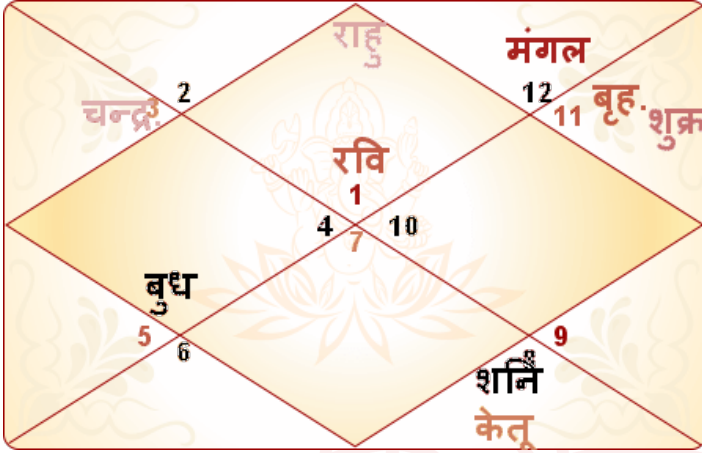




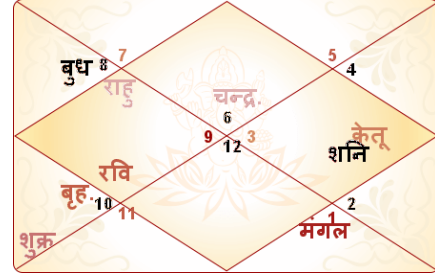
## लाल किताब वर्षफल लम्ब कुंडलीत

18:12:2024--17:12:2025

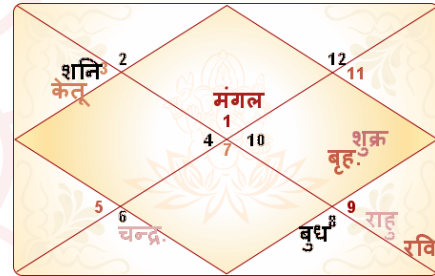
## वर्षफल कुंडलीत(१२)



## लम्ब कुंडलीत



## चंद्र कुंडलीत ( लाल किताब )



## लाल किताब कुंडलीतील ग्रहांची स्थिती

| ग्रह  | भावस्थ | भावेश  | प्रभव | पक्के घर | भा0 का ग्रह | साथी ग्रह | कायम | धर्मी | निद्रिस्त | विशेष      |
|-------|--------|--------|-------|----------|-------------|-----------|------|-------|-----------|------------|
| रवि   | 1      | 5      | ग्रह  | हां      |             |           |      |       |           | शुभ भावात  |
| चंद्र | 3      | 4      | राशी  |          |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| मंगल  | 12     | 1, 8   | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | शुभ भावात  |
| बुध   | 4      | 3, 6   | राशी  |          |             |           | हां  |       | हां       | शुभ भावात  |
| गुरु  | 11     | 9, 12  | ग्रह  | हां      | हां         |           |      |       |           | ---        |
| शुक्र | 11     | 2, 7   | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | ---        |
| शनि   | 8      | 10, 11 | ग्रह  | हां      |             |           | हां  |       |           | शुभ भावात  |
| राहु  | 1      |        | राशी  |          |             |           |      |       | हां       | अशुभ भावात |
| केतु  | 8      |        | राशी  |          |             |           | हां  |       |           | ---        |

## लाल किताब कुंडलीतील भावांची (स्थान ) स्थिती

| भाव | भावस्थ ग्रह | स्वामी | पक्के घर  | निद्रिस्त | उच्च       | नीच        | नशीब जागविणारा |
|-----|-------------|--------|-----------|-----------|------------|------------|----------------|
| 1   | रवि, राहु   | मंगल   | रवि       |           | रवि        | शनि        | मंगल           |
| 2   |             | शुक्र  | गुरु      |           | चंद्र      |            | चंद्र          |
| 3   | चंद्र       | बुध    | मंगल      |           | राहु       | केतु       | बुध            |
| 4   | बुध         | चंद्र  | चैप       |           | गुरु       | मंगल       | चंद्र          |
| 5   |             | रवि    | गुरु      | हां       |            |            | रवि            |
| 6   |             | बुध    | बुध,केतु  | हां       | बुध,राहु   | शुक्र,केतु | केतु           |
| 7   |             | शुक्र  | शुक्र,बुध |           | शनि        |            | शुक्र          |
| 8   | शनि, केतु   | मंगल   | मंगल,शनि  |           |            | चंद्र      | चंद्र          |
| 9   |             | गुरु   | गुरु      |           | केतु       | राहु       | शनि            |
| 10  |             | शनि    | शनि       |           | मंगल       | गुरु       | शनि            |
| 11  | गुरु, शुक्र | शनि    | शनि       |           |            |            | गुरु           |
| 12  | मंगल        | गुरु   | गुरु      |           | शुक्र,केतु | बुध,राहु   | राहु           |

## लाल किताब वर्षफल भविष्यवाणी - ५२

### रवि प्रथम भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत रवि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत लग्नस्थ रवी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार ह्या वर्षी आपणास नोकरी / व्यवसायात अपयश मिळू शकेल किंवा नुकसान सोसावे लागेल. या वर्षी आपण कोणतेही नवीन कार्य सुरु केले तरी त्यात अनेक अडथळे निर्माण होतील. यावषी कर्ज घेण्याचीही आवश्यकता पडेल. आपले आणि कुटुंबातील व्यक्तींचे आरोग्य देखील चिंतेचे एक कारण ठरू शकते. पत्नी व संततीबरोबर मतभेद होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही.

वर्षफलातील रवि चे उपाय

रविच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मांसाहार आणि मद्यपान करू नये.
- 2— आपली वर्तणूक चांगली ठेवावी.
- 3— सूर्यास गोड पाण्याने अर्घ्य द्यावे.

### चंद्र तृतीय भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चंद्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत तृतीयस्थ चंद्र शुभ स्थितीत आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपली मानसिक आणि कौटुंबिक स्थिती उत्तम असेल. जुन्या मित्रांशी गाठीष्टी होईल. या वर्षी आपली प्रवास करण्याची तीव्र इच्छा असेल व आपण व्यवसायाच्या निमित्ताने प्रवास कराल. हाती घेतलेले कार्य आपण यशस्वीरित्या पूर्ण कराल.

वर्षफलातील चंद्र चे उपाय

चंद्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— खाण्या पिण्यासाठी चांदीच्या भांड्यांचा वापर करावा.
- 2— दुर्गा पूजन करावे..
- 3— आपल्या मुलीच्या पैशाचा वापर करू नये.

### मंगळ द्वादश भावे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत मंगळ ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत द्वादशस्थ मंगळ शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार आपल्या कुटुंबातील एखाद्या व्यक्तीचे आरोग्य चिंताजनक ठरेल. औषधांवरही आपणास विनाकारण खर्च करावा लागेल. आपणास संतापावर नियंत्रण ठेवले पाहिजे. आपले कौटुंबिक जीवनही फारसे सुखद नसेल.

#### वर्षफलातील मंगळ चे उपाय

मंगळच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— गोड पोळीचे सेवन करावे आणि कुत्र्यासही खाण्यास द्यावी.
- 2— धार्मिक स्थळी बतार्यांचे दान करावे.
- 3— सकाळी मधाचे सेवन करावे.
- 4— डोके लाल कापडाने झाकावे.

### बुध चतुर्थ भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत बुध ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत चतुर्थस्थ बुध शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार हे वर्ष आपल्या सासरकडील व्यक्तींमुळे आपल्या कौटुंबिक जीवनात कलह होऊ शकतात. आपल्या आईचे आरोग्य चिंताजनक असेल. जर आपण या वर्षी आपली बहीण, आत्या किंवा मुलीकडून धन घेऊन व्यवसाय सुरु केला तर आपणास नुकसान होईल. हृदयविकार संभवतात.

#### वर्षफलातील बुध चे उपाय

बुधच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— माकडांना गुळ खाण्यास द्यावा.
- 2— हिरव्या रंगाच्या वस्तू किंवा कपड्यांचा वापर करू नये.
- 3— खाकी रंगाच्या धाग्यामध्ये तांब्याचे नाण बांधून ते गळ्यात घालावे.
- 4— 101 प्लक्षाच्या पानांना दूधाने धुवावे आणि वाहत्या पाण्यात विसर्जित करावे.
- 5— हळद किंवा केशराचा टिळा लावावा.

### गुरु एकादश भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत गुरु ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ गुरु शुभ आहे. लाल किताब नुसार आपले शत्रूही आपली शत्रूता सोडून मैत्रीचा हात देतील. आपण गरजू आणि गरीब लोकांची मदत कराल. धार्मिक कार्यात आपण आवडीने सहभागी

व्हाल. जर आपण विवाहित असाल तर पुत्रप्राप्तीची शक्यता आहे. आपले वडिल आणि आजोबा आपली मदत करतील. इतरांवर आपला प्रभाव टाकण्यात आपण यशस्वी व्हाल. आर्थिक बाबतीतही हे वर्ष अत्यंत उत्कृष्ट आहे.

#### वर्षफलातील गुरू चे उपाय

गुरूच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— आपल्याजवळ पिवळा रुमाल ठेवावा.
- 2— स्मशानात माथा टेकवावा आणि तांब्याचा पैसा टाकावा.
- 3— अंड्याचे अजिबात सेवन करू नये.
- 4— आपल्या वडीलांचा बिछाना इत्यादि वापरू नये.
- 5— यावर्षी घरात पूजेचे स्थान बनवू नये.

### शुक्र एकादश भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शुक्र ग्रह शुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत एकादशस्थ शुक्र शुभ आहे. लाल किताब नुसार हे वर्ष आपणास आर्थिक सुबत्ततेचे जाईल. घरी मंगल कार्य होईल. जोडीदाराचे आपणास संपूर्ण सहकार्य लाभेल. जर आपण विवाहित असाल आणि आपली पत्नी गर्भवती असेल तर आपणास कन्यारत्न होईल. आपल्या मनात धार्मिक प्रवृत्तीचा विकास होईल परंतु मन चंचल राहील. सासरकडील मंडळी आपणास मदत करतील. आपली बहीण किंवा मेहूणी आपली आर्थिक दृष्ट्या मदत करील.

#### वर्षफलातील शुक्र चे उपाय

शुक्रच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— मोहरीच्या तेलाचे दान करावे.
- 2— यावर्षी आपली आई किंवा पत्नीला घराचे आर्थिक स्थिती सांभाळण्याचे दायित्व देऊ नये.
- 3— आपली नोकरी/व्यवसाय वारंवार बदलू नये.
- 4— जर आपला विवाह यावर्षी होणार असला तर सफेद गाईचे दान करावे.

### शनि अष्टम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत शनि ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत अष्टमस्थ शनी शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपणासाठी सद्दा, लॉटरी, शेअर बाजार इत्यादिमध्ये पैसा गुंतविणे हितावह नाही. या वर्षी आपल्या घराची पडझड होण्याची



शक्यता आहे. आपणास अनेक समस्यांना तोंड द्यावे लागेल.

#### वर्षफलातील शनि चे उपाय

शनिच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— नंगे पाय ठेऊन स्नान करू नये.
- 2— आपल्या नावावर यावर्षी घर खरेदी करू नये.
- 3— चांदीचा चौकोनी तुकडा आपल्याजवळ ठेवावा.
- 4— आठ किलो काळ्या उडदाची डाळ पाण्यात प्रवाहीत करावी.

### राहु प्रथम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत राहु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत लग्नस्थ राहु शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपल्या जीवनात मोठा बदल होण्याची शक्यता आहे. एखादी मोठी योजना पूर्ण होण्याच्या मार्गावर असताना काही कारणामुळे बंद पडेल. आपणास धार्मिक कार्यात आवड नसेल व आपले स्वतःवर नियंत्रण राहणार नाही. लाच घेण्याचा आरोप येऊ शकतो. या वर्षी आपण काळे आणि निळे कपडे वापरू नयेत.

#### वर्षफलातील राहु चे उपाय

राहुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक आहे

- 1— गहू, गुळ आणि तांब्याचे दान एखाद्या धार्मिक स्थळी करावे.
- 2— खाण्या पिण्याच्या बाबतीत सावधगिरी बाळगावी.
- 3— वीजेची उपकरणे कोणाकडूनही मोफत घेऊ नये.
- 4— स्नान करण्यापूर्वी आपल्या शरीराला दूधाने मालीश करावी.

### केतु अष्टम भावे

#### आपल्या वर्षफल कुंडलीत केतु ग्रह अशुभ स्थिती आहे

आपल्या वर्षफल कुंडलीत अष्टमस्थ केतू शत्रूग्रह युक्त किंवा षष्ट आहे. लाल किताब नुसार या वर्षी आपली वागणूक चांगली ठेवली पाहिजे आणि मांसाहार व मद्यपानापासून दूर राहिले पाहिजे. नसता आपल्या संततीवर त्याचा वाईट परिणाम होईल. इतरांसमोर आपल्या गुप्त गोष्टी सांगू नयेत. प्रवासही व्यर्थ जाईल.

#### वर्षफलातील केतु चे उपाय

केतुच्या शुभ फलात आणि अशुभ फले कमी करण्यासाठी आपणास खाली उपाययोज ना करणे आणि सावधगिरी बाळगणे आवश्यक

आहे

- 1— आपल्या कुत्र्यास छतावर घेऊन जाऊ नये.
- 2— जुगार, लॉटरी वर आपला पैसा व्यर्थ करू नये.
- 3— पट्ट्यापट्ट्याचे कांबळे धर्मस्थळी दान करावे.



## गोचर शनि

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर। सर्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत् ।।

( गोचरीने जेव्हा शनि ग्रह जन्म चंद्रापासून बाराव्या, पहिल्या आणि दूसऱ्या भावावरून भ्रमण करतो, त्या (सुमारे साडे सात वर्षांपर्यंतच्या) कालावधीलाच साडेसाती या नावाने ओळखले जाते.)

### प्रथम चक्र

| साडेसाती चक्र  | राशीमध्ये गोचर | आरंभ काळ   | समाप्ति काळ | भ्रमण काळ (व-म-दि ) | शनि मूर्ती |
|----------------|----------------|------------|-------------|---------------------|------------|
| प्रथम अडिचकी   | सिंह           | 07/09/1977 | 04/11/1979  | 2.0 y.1.0 m.28 d.   | तांबे      |
| प्रथम अडिचकी   | सिंह           | 15/03/1980 | 27/07/1980  | 0.0 y.4.0 m.12 d.   | तांबे      |
| द्वितीय अडिचकी | कन्या          | 04/11/1979 | 15/03/1980  | 0.0 y.4.0 m.10 d.   | सुवर्ण     |
| द्वितीय अडिचकी | कन्या          | 27/07/1980 | 06/10/1982  | 2.0 y.2.0 m.10 d.   | चांदी      |
| तृतीय अडिचकी   | तुला           | 06/10/1982 | 21/12/1984  | 2.0 y.2.0 m.15 d.   | तांबे      |
| तृतीय अडिचकी   | तुला           | 01/06/1985 | 17/09/1985  | 0.0 y.3.0 m.17 d.   | सुवर्ण     |
| कंटक शनि       | धनु            | 17/12/1987 | 21/03/1990  | 2.0 y.3.0 m.3 d.    | तांबे      |
| कंटक शनि       | धनु            | 20/06/1990 | 15/12/1990  | 0.0 y.5.0 m.26 d.   | लोह        |
| आठवा शनि       | मेष            | 17/04/1998 | 07/06/2000  | 2.0 y.1.0 m.21 d.   | चांदी      |

### द्वितीय चक्र

| साडेसाती चक्र  | राशीमध्ये गोचर | आरंभ काळ   | समाप्ति काळ | भ्रमण काळ (व-म-दि ) | शनि मूर्ती |
|----------------|----------------|------------|-------------|---------------------|------------|
| प्रथम अडिचकी   | सिंह           | 01/11/2006 | 10/01/2007  | 0.0 y.2.0 m.10 d.   | तांबे      |
| प्रथम अडिचकी   | सिंह           | 16/07/2007 | 10/09/2009  | 2.0 y.1.0 m.26 d.   | चांदी      |
| द्वितीय अडिचकी | कन्या          | 10/09/2009 | 15/11/2011  | 2.0 y.2.0 m.6 d.    | सुवर्ण     |
| द्वितीय अडिचकी | कन्या          | 16/05/2012 | 04/08/2012  | 0.0 y.2.0 m.19 d.   | तांबे      |
| तृतीय अडिचकी   | तुला           | 15/11/2011 | 16/05/2012  | 0.0 y.6.0 m.1 d.    | चांदी      |
| तृतीय अडिचकी   | तुला           | 04/08/2012 | 02/11/2014  | 2.0 y.2.0 m.29 d.   | चांदी      |
| कंटक शनि       | धनु            | 26/01/2017 | 21/06/2017  | 0.0 y.4.0 m.24 d.   | सुवर्ण     |
| कंटक शनि       | धनु            | 26/10/2017 | 24/01/2020  | 2.0 y.2.0 m.29 d.   | सुवर्ण     |
| आठवा शनि       | मेष            | 03/06/2027 | 20/10/2027  | 0.0 y.4.0 m.18 d.   | सुवर्ण     |
| आठवा शनि       | मेष            | 23/02/2028 | 08/08/2029  | 1.0 y.5.0 m.14 d.   | लोह        |
| आठवा शनि       | मेष            | 05/10/2029 | 17/04/2030  | 0.0 y.6.0 m.12 d.   | चांदी      |

### तृतीय चक्र

| साडेसाती चक्र  | राशीमध्ये गोचर | आरंभ काळ   | समाप्ति काळ | भ्रमण काळ (व-म-दि ) | शनि मूर्ती |
|----------------|----------------|------------|-------------|---------------------|------------|
| प्रथम अडिचकी   | सिंह           | 27/08/2036 | 22/10/2038  | 2.0 y.1.0 m.25 d.   | सुवर्ण     |
| प्रथम अडिचकी   | सिंह           | 05/04/2039 | 13/07/2039  | 0.0 y.3.0 m.8 d.    | सुवर्ण     |
| द्वितीय अडिचकी | कन्या          | 22/10/2038 | 05/04/2039  | 0.0 y.5.0 m.13 d.   | तांबे      |
| द्वितीय अडिचकी | कन्या          | 13/07/2039 | 28/01/2041  | 1.0 y.6.0 m.17 d.   | तांबे      |
| द्वितीय अडिचकी | कन्या          | 06/02/2041 | 26/09/2041  | 0.0 y.7.0 m.19 d.   | सुवर्ण     |
| तृतीय अडिचकी   | तुला           | 28/01/2041 | 06/02/2041  | 0.0 y.0.0 m.9 d.    | लोह        |
| तृतीय अडिचकी   | तुला           | 26/09/2041 | 11/12/2043  | 2.0 y.2.0 m.15 d.   | चांदी      |
| तृतीय अडिचकी   | तुला           | 23/06/2044 | 30/08/2044  | 0.0 y.2.0 m.7 d.    | सुवर्ण     |
| कंटक शनि       | धनु            | 08/12/2046 | 06/03/2049  | 2.0 y.2.0 m.27 d.   | तांबे      |
| कंटक शनि       | धनु            | 10/07/2049 | 04/12/2049  | 0.0 y.4.0 m.25 d.   | तांबे      |
| आठवा शनि       | मेष            | 07/04/2057 | 27/05/2059  | 2.0 y.1.0 m.20 d.   | सुवर्ण     |

## How to Preform Remedies in Lal Kitab

1. Please perform only one remedy per day.
2. All remedies should be performed during the day i.e. after sunrise and before sunset. Remedies performed during the night might lead to unfavorable results. Only the recommended remedies should be performed after sunset.
3. It is advisable to first complete remedies that are minor and can be performed within a day.
4. Remedies that span over a long duration should be performed continuously, without any interruptions.
5. Women should not perform remedies that involve going to a temple during their menstrual cycle. Instead, they can ask a blood relative, like brother, sister, father, mother, grandfather, grandmother, son or daughter to perform those remedies on their behalf.
6. Remedies can be started on any day of the week. There is no need to consider a particular day like Monday, Tuesday, full moon or a new moon night to start performing remedies. Remedies that will last longer should not be started on the fourth, ninth or fourteenth day after full moon. However, remedies that last only a day can be performed on these days.
7. Every remedy is to be performed continuously for either 43 days or 43 weeks or 43 months. If the continuity gets broken, then even if it is the 39th day or 39th week or 39th month, the results might not be favorable or it may not be as effective as expected. However, if for some reason the remedy cannot be performed continuously then, on the day you want to stop it, you should wash some rice grains in milk and tie them in a white cloth. Then on the day you want to resume the remedy again, you should donate the rice at a religious place or throw them in flowing water or bury them in an orchard. Doing so will result in the remedy being considered as complete and you will see favorable results from it.
8. If you have been asked to perform a remedy for the remainder of your life then you should perform it first. You can then consider performing other remedies along with this one.
9. If a remedy requires you to bury something in the ground using a tool then you should leave the tool at the burial place. If the remedy spans several days then you should leave the tool at the burial place on the last day of performing the remedy.
10. You should not consume an article on the day when you are to donate it at a religious place or to throw it in flowing water.
11. Do not indulge in any sort of physical intimacy on the day you have to perform a remedy.



## Disclaimer



*The calculations, future predictions, and remedies given in this Astrological Report are all based on the principles of either on Vedic Astrology, KP System, Jaimini or Lal Kitab, Numerology which are the result of consulting and engaging highly learned astrologers and astrology practitioners. This Report will prove to be highly useful for astrologers and practitioners of Astrology. We earnestly request the common users of this Report that they should not follow the Lal Kitab and or other prediction/remedies given in this Report without consulting a learned astrologer or an expert on this subject. Failing to do so might lead you to unexpected results which may or may not be favorable towards your well-being.*

*www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies makes no warranty about the accuracy of any data contained herein, and the native is advised to not to take as conclusive any prediction generated for him. If you follow the advice given in this report you do so at your own risk, ww.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies or any of its associates are not responsible for the consequence of any event or action.*

*www.webjyotishi.com/MindSutra Software Technologies shall not stand liable for any damages or harm done.*

*All disputes are subject to New Delhi Jurisdiction only.*

*Wishing the very best – prosperity and happiness.*

Prepared by webjyotishi.com on 01 June 2021, 04:37:32PM

Please visit us at <https://www.webjyotishi.com> Email: mindsutra@mindsutra.com

Phone: +91 98181 93410

**MindSutra Software Technologies**

A-16, Ramdutt Enclave, Milap Nagar,  
Uttam Nagar, New Delhi-110059